# फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर, जिला–गरियाबंद (छ.ग.)

स्थापना – 4 जुलाई सन् 2013


website-www.fngovtcollege.in

e-mail ID – govtcollegefingeshwar2013@gmiail.com

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.) से संबद्ध

## महाविद्यालय में प्रवेश के लिए

# विवरण पुस्तिका

## सत्र् 2026–27

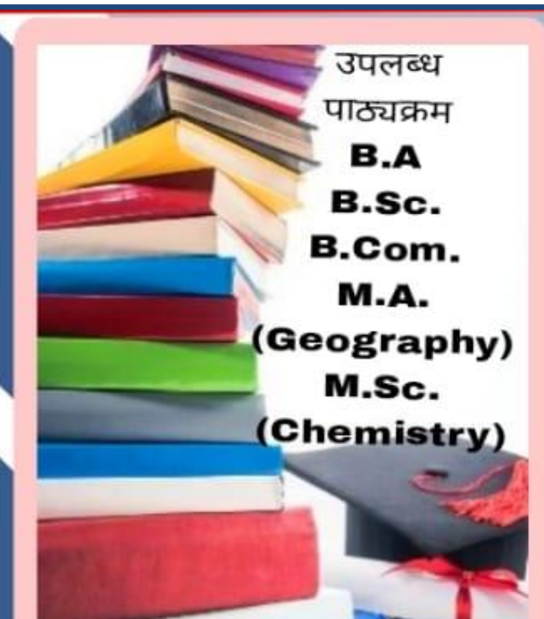

# परिचय

फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर जिसे पहले नवीन महाविद्यालय फिंगेश्वर के नाम से जाना जाता था, की स्थापना 2013 में हुई थी। वर्ष 2017 में महाविद्यालय नए भवन में स्थानांतरित हो गया। स्थानांतरित होने से पहले यह ठाकुर दलगंजन सिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फिंगेश्वर के विद्यालय भवन में संचालित होता था। फिंगेश्वर एक प्रसिद्ध स्थान है और इसका अपना ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व है। फिंगेश्वर में भगवान शिव का एक पुराना मंदिर है जिसे फणिकेश्वर नाथ कहा जाता है। महाविद्यालय का नाम भगवान फणिकेश्वर नाथ के नाम पर रखा गया है।

यह महाविद्यालय गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर ब्लॉक मुख्यालय में स्थित है। यह सूखा नदी के तट पर है। यह गरियाबंद जिला मुख्यालय से 52.6 किमी दूर है। राजधानी रायपुर से लगभग 70 किलोमीटर दूर हैं। यह महाविद्यालय पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से संबद्ध है। महाविद्यालय को विज्ञान, कला और वाणिज्य धाराओं के लिए तीन डिग्री प्रोग्राम पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्राप्त है। इन डिग्री कार्यक्रमों के अलावा महाविद्यालय में दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम. ए. भूगोल एवं एम.एस.सी. रसायनशास्त्र संचालित है।

**डॉ. समीक्षा चंद्राकर**
**प्राचार्य**

## प्राचार्य संदेश :–

### –::: फणीकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय, फिंगेश्वर में आपका हार्दिक स्वागत है :::–

हमारा महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं मूल्यपरक उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का समग्र विकास करना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के अनुरूप महाविद्यालय में नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अध्ययन के साथ–साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), रेड क्रॉस, युवा रेड क्रॉस तथा विभिन्न सह–शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया जाता है।

यह **विवरनिका** महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रमों, नियमों, सुविधाओं तथा विभिन्न छात्रोपयोगी योजनाओं की संपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। आप सभी से अपेक्षा है कि महाविद्यालय के अनुशासन, मूल्यों एवं परंपराओं का पालन करते हुए अपने ज्ञान, कौशल और चरित्र का निरंतर विकास करेंगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि फणीकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय, फिंगेश्वर में आपका शैक्षणिक जीवन ज्ञान, संस्कार और सफलता की नई ऊँचाइयों तक पहुँचेगा।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

# विषयवस्तु


| क्रमांक | विषय सूची | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 01 | पाठ्यक्रम | 5 |
| 02 | प्रवेश का नियम | 8 |
| 03 | NEP 2020 | 16 |
| 04 | शुल्क | 18 |
| 05 | छात्रवृत्तियां | 19 |
| 06 | ग्रंथालय | 21 |
| 07 | खेलकूद | 24 |
| 08 | NSS, ECO CLUB, RED CROSS | 26 |
| 09 | शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची | 35 |
| 10 | Glimpses | 42 |

# पाठ्यक्रम

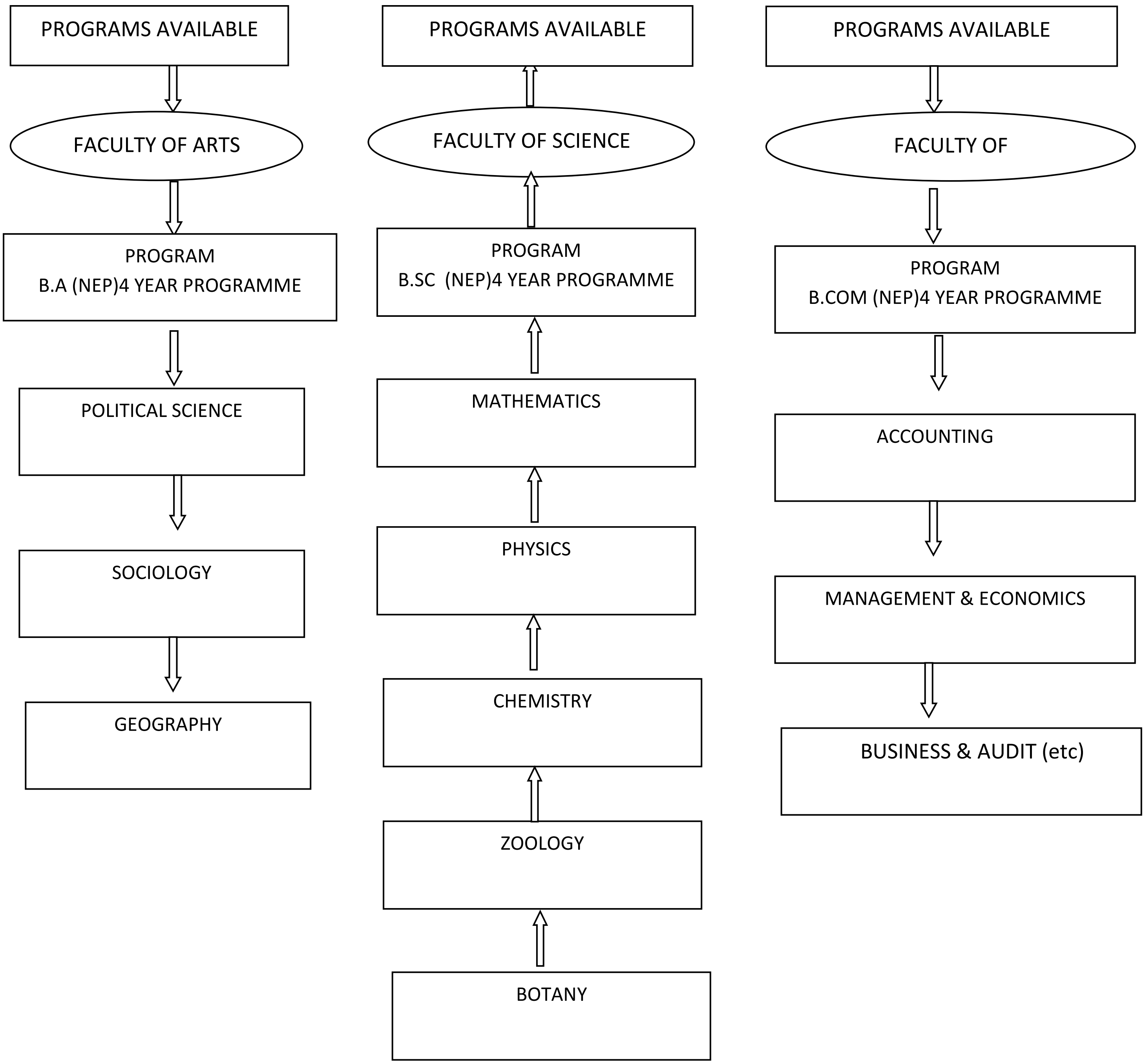
PROGRAMS AVAILABLE
FACULTY OF ARTS
PROGRAM
B.A (NEP)4 YEAR PROGRAMME
POLITICAL SCIENCE
SOCIOLOGY
GEOGRAPHY
PROGRAMS AVAILABLE
FACULTY OF SCIENCE
PROGRAM
B.SC (NEP)4 YEAR PROGRAMME
MATHEMATICS
PHYSICS
CHEMISTRY
ZOOLOGY
BOTANY
PROGRAMS AVAILABLE
FACULTY OF
PROGRAM
B.COM (NEP)4 YEAR PROGRAMME
ACCOUNTING
MANAGEMENT & ECONOMICS
BUSINESS & AUDIT (etc)

# Under Graduate Course

| S.No. | Class | Subject | Course Type | Credit/Semester | Course Duration |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Bachelor of Arts (B.A.) | Geography | DSC | 4 | 8 Semester |
| 2 | Bachelor of Arts (B.A.) | Sociology | DSC | 4 | 8 Semester |
| 3 | Bachelor of Arts (B.A.) | Political Science | DSC | 4 | 8 Semester |
| 4 | Bachelor of Arts (B.A.) | Hindi Language-I | AEC | 2 | 1 Semester |
| 5 | Bachelor of Arts (B.A.) | Geography | VAC | 2 | 1 Semester |
| 6 | Bachelor of Arts (B.A.) | Sociology | VAC | 2 | 1 Semester |
| 7 | Bachelor of Arts (B.A.) | Political Science | VAC | 2 | 1 Semester |
| 8 | Bachelor of Commerce (B.Com.) | Commerce | DSC | 4 | 8 Semester |
| 9 | Bachelor of Commerce (B.Com.) | Commerce | DSC | 4 | 8 Semester |
| 10 | Bachelor of Commerce (B.Com.) | Commerce | DSC | 4 | 8 Semester |
| 11 | Bachelor of Commerce (B.Com.) | Environmental Studies | AEC | 2 | 8 Semester |
| 12 | Bachelor Commerce (B.Com.) | Commerce | VAC | 2 | 1 Semester |
| 13 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Botany | DSC | 4 | 8 Semester |
| 14 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Zoology | DSC | 4 | 8 Semester |
| 15 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Chemistry | DSC | 4 | 8 Semester |
| 16 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Mathematics | DSC | 4 | 8 Semester |
| 17 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Physics | DSC | 4 | 1 Semester |
| 18 | Bachelor of Science (B.Sc.) | English Language | AEC | 2 | 1 Semester |
| 19 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Botany | VAC | 2 | 1 Semester |
| 20 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Zoology | VAC | 2 | 1 Semester |
| 21 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Chemistry | VAC | 2 | 1 Semester |
| 22 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Mathematics | VAC | 2 | 1 Semester |
| 23 | Bachelor of Science (B.Sc.) | Physics | VAC | 2 | 1 Semester |

# Post Graduate Course

| S.No. | Class | Subject | Credit/ Semester | Course Duration |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Master of Arts (M.A.) | Geography | 5 | 4 Semester |
| 2 | Master of Science (M.Sc.) | Chemistry | 5 | 4 Semester |

## स्नातकस्तर संकायवार सीटों की संख्या

| क्रमांक | संकाय | | संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | कला संकाय | | 128 |
| 2. | विज्ञान संकाय | (बॉयो) | 123 |
| | | गणित | 60 |
| 3. | वाणिज्य संकाय | | 60 |

## स्नातकोत्तर संकायवार सीटों की संख्या

| क्रमांक | संकाय | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | भूगोल | 40 |
| 2. | रसायनशास्त्र | 33 |

# प्रवेश का नियम

**1. पात्रता –**

**5.1 निवासी एवं अर्हकारी –**

(क) छत्तीसगढ़ के मूल/स्थायी, छत्तीसगढ़ में स्थायी संपत्तिधारी निवासी/राज्य या केन्द्र सरकार के शासकीय कर्मचारी, अर्धशासकीय कर्मचारी तथा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी, राष्ट्रीकृत बैंकों तथा भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक संगठनों के कर्मचारी जिनका पदांकन छत्तीसगढ़ में हैं, उनके पुत्र/पुत्रियों एवं जम्मू कश्मीर के विस्थापितों तथा उनके आश्रितों को ही शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्तानुसार प्रवेश देने के पश्चात् भी स्थान रिक्त होने पर अन्य राज्यों के मान्यता प्रापत बोर्ड एवं अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को नियमानुसार गुणानुक्रम के आधार पर प्रवेश दिया जा सकता है।

(ख) संबद्ध विष्वविद्यालय से या संबद्ध विष्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों और विष्वविद्यालयों से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को ही महाविद्यालय में प्रवेश की पात्रता होगा।

**5.2 स्नातक स्तर, नियमित प्रवेश –**

(क) 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को स्नातक स्तर प्रथम सेमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। किन्तु वाणिज्य और कला संकाय के विद्यार्थियों को विज्ञान संकाय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

(ख) स्नातक स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण को उन्हीं विषयों की क्रमशः तृतीय सेमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। स्नातक तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण को उन्हीं विषयों में पंचम सेमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

**6. समकक्ष परीक्षा**

6.1 सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन (सी.बी.एस.ई.), इंडियन काउंसिल फॉर सेकेण्डरी एजुकेशन (आई.सी.एस.ई.) तथा अन्य राज्यों के विद्यालयों/इंटरमीडिएट बोर्ड की 10 2 की परीक्षाएं माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10 2 परीक्षा के समकक्ष मान्य है।

6.2 सामान्यतः भारत में स्थित विष्वविद्यालयों जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एसोसिएशन ऑफ युनिवर्सिटी) के सदस्य हैं, उनकी समस्त परीक्षाएं छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालय की परीक्षा के समकक्ष मान्य है। ऐसे विष्वविद्यालय जो दूरवर्ती पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, किन्तु राज्य शासन से अनुमति प्राप्त नहीं हैं, की परीक्षाएं मान्य नहीं है।

**7. बाह्य आवेदको का प्रवेष**

7.1 स्नातक स्तर तक बी.ए./बी.एस–सी./बी.कॉम. में एकीकृत पाठ्यक्रम लागू होने से छत्तीसगढ़ के किसी भी विष्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय से प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को क्रमशः द्वितीय/तृतीय वर्ष में प्रवेश की पात्रता है किन्तु सम्बद्ध विष्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय में पढ़ाये जा रहे विषयों/ विषय समूहों में आवेदकों ने पिछली परीक्षा दी हो, इसका परीक्षण करने के पश्चात् ही नियमित प्रवेश दिया जावे । आवष्यक हो तो विष्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण–पत्र अवष्य लिया जाये।

7.2 छत्तीसगढ़ के बाहर स्थित विष्वविद्यालय/स्वाध्यायी महाविद्यालयों से स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय परीक्षा अन्य विष्वविद्यालय/स्वाध्यायी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर पूर्व की परीक्षा या प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर परीक्षा एवं विधि स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उनके द्वारा सम्बद्ध विष्वविद्यालयों से पात्रता प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात् ही उन्हीं विषयों/विषय समूह की अगली कक्षा में नियमित प्रवेश दिया जावे । राज्य के बाहर के विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप में एक शपथ पत्र देना होगा किसी भी प्रकार की झूठी/गलत जानकारी पाये जाने पर संबंधित विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त करते हुए उसे प्रदेश केकिसी भी विष्वविद्यालय में प्रवेश से वंचित कर दिया जायेगा। अन्य राज्य के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का प्रमाणीकरण संबंधित बोर्ड /विष्वविद्यालयों से कराया जाना अनिवार्य है।

7.3 विज्ञान एवं अन्य प्रायोगिक विषयों में स्वाध्यायी आवेदकों को स्थान रिक्त होने पर तथा महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों को 30 नवम्बर तक, निर्धारित शुल्क लेकर मात्र प्रायोगिक कार्य करने की अनुमति प्राचार्य द्वारा दी जा सकती है।

**8. अस्थायी प्रवेष की पात्रता रखने वाले विद्यार्थियों को प्रवेष हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व अस्थायी प्रवेष लेना अनिवार्य होगा–**

8.1 10+2 तथा स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय परीक्षा में पूरक परीक्षा (कम्पार्टमेंट) प्राप्त नियमित

8.5 आवेदकों को अगली कक्षा में स्थान रिक्त होने पर अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी। पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर अस्थायी प्रवेश प्राप्त छात्र–छात्राओं का अस्थायी प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा। उत्तीर्ण होने पर अस्थायी प्रवेश नियमित प्रवेश के रूप में मान्य किया जावेगा।

**9. प्रवेष हेतु अर्हताएं**

9.1 किसी भी महाविद्यालय/विष्वविद्यालय शिक्षण विभाग के किसी संकाय में प्रवेश प्राप्त छात्र–छात्राओं को उसी संकाय की उसी कक्षा में पुनः नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। यदि किसी छात्र ने पूर्व में आवेदित कक्षा में नियमित प्रवेश नहीं लिया हो तो ऐसा आवेदक नियमित प्रवेश हेतु अनर्ह नहीं माना जायेगा, उसे मात्र मूल स्थानांतरण प्रमाण–पत्र तथा शपथ पत्र जिससे प्रमाणित हो कि पूर्व में उनसे प्रवेष नहीं लिया हैं, के आधार पर ही नियमानुसार प्रवेष दिया जावेगा।

9.2 जिनके विरुद्ध न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया हो या न्यायालय में अपराधिक प्रकरण चल रहा हो, परीक्षा में या पूर्व सत्र में छात्रों/अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार/मारपीट करने के गंभीर आरोप हो/चेतावनी के बाद भी सुधार परिलक्षित नहीं हुआ हो, तो ऐसे छात्र–छात्राओं को प्रवेश नहीं देने के लिए प्राचार्य अधिकृत है।

9.3 महाविद्यालय में तोड़फोड़ करने और महाविद्यालय की संपत्ति को नष्ट करने वाले रैगिंग के आरोपी छात्र–छात्राओं का प्रवेश निरस्त करने/प्रवेश न देने के लिए प्राचार्य अधिकृत है। प्राचार्य इस हेतु

समिति गठित कर जांच करवाये एवं जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रवेश निरस्त किया जाये। ऐसे छात्र–छात्राओं को छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जाता हैं।

9.4 पूर्णकालिक शासकीय/अशासकीय सेवारत् कर्मचारी की उसकी दैनिक कार्य की अवधि में लगने वाले महाविद्यालय में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। दैनिक कर्तव्य अवधि के उपरांत लगने वाले महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन करने पर आवेदक द्वारा नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के बाद ही प्रवेश दिया जावेगा।

9.5 किसी संकाय में स्नातक उपाधि प्राप्त छात्र–छात्राओं को किसी अन्य संकायों के स्नातक पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।

**नोटः– छ.ग. शासन के आदेशानुसार महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आयु सीमा को शिथिल किया गया है।**

**10. प्रवेष हेतु गुणनाक्रम का निर्धारण**

10.1 उपलब्ध स्थानों से अधिक आवेदक होने पर प्रवेश निम्नानुसार गुणानुक्रम से किया जावेगा–

(क) स्नातक कक्षाओं में प्रवेश हेतु अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांक एवं अधिभार देय है, तो अधिभार जोड़कर प्राप्त कुल प्रतिशत अंकों के आधार पर।

10.2 अनारक्षित एवं आरक्षित श्रेणी के लिए अलग–अलग गुणानुक्रम सूची तैयार की जावेगी।

**11. प्रवेष हेतु प्राथमिकता**

11.1 प्रथम वर्ष स्नातक कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार, अर्हकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/भूतपूर्व नियमित परीक्षार्थी/स्वाध्यायी उत्तीर्ण छात्रों के क्रमानुसार रहेगा।

11.2 स्नातक अगली कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार, अर्हकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/उत्तीर्ण भूतपूर्व नियमित/एक विषय में पूरक प्राप्त पूर्व सत्र के नियमित/स्वाध्यायी विद्यार्थियों के क्रम में होगा।

11.3 आवेदक द्वारा अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने के स्थान अथवा उसके निवास स्थान/तहसील/जिला में स्थित या आसपास के अन्य जिले के समीपस्थ स्थानों पर स्थित महाविद्यालयों में आवेदित विषय/विषय के अध्यापन की सुविधा होने पर ऐसे आवेदकों के आवेदनों पर विचार करते हुए उस विषय/विषय समूह में प्रवेश हेतु प्राचार्य द्वारा अपने नगर/तहसील/जिलों की सीमा से लगे अन्य जिलों के समीपस्थ स्थानों के आवेदकों को प्राथमिकता देते हुए प्रवेश दिया जावे आवेदक के निवास स्थान/तहसील/जिलों में स्थित या आसपास के अन्य जिलों के समीपस्थ स्थित महाविद्यालय में आवेदित विषय/विषय समूह के अध्ययन की सुविधा नहीं होने पर उन्हें गुणानुक्रम से प्रवेष दिया जायेगा। स्थान रिक्त रहने पर एवं गुणानुक्रम में आने पर पूरे प्रदेश के छात्रों को पूरे प्रदेश में प्रवेश की पात्रता होगी।

2. **आरक्षण–**

छत्तीसगढ़ शासन की आरक्षण नीति के अनुरूप सीटों का आरक्षण निम्नानुसार होगा। प्रत्येक संकाय में उपस्थित कुल सीटो का –

1. अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिये 12 प्रतिषत
2. अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिये 32 प्रतिषत
3. अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिये 14 प्रतिषत

   नोटः– क्रमांक 1,2 एवं 3 के अधीन उपलब्ध सीटों का आरक्षण उर्ध्वाधर (वर्टीकल ) रूप में अवधारित किया जायेगा।

4. दिव्यांग छात्रों के लिए 5 प्रतिषत
5. स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पुत्र–पुत्रियों के लिये 3 प्रतिषत
6. सभी संकाय में उपलब्ध कुल सीटों में से 30 प्रतिषत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगी।

   नोटः– क्रमांक 4,5 एवं 6 क अधीन उपलब्ध सीटों का आरक्षण क्षैतिज (हॉरिजोन्टल) रूप में अवधारित किया जायेगा।

   कष्मीरी प्रवासियों के पाल्यो को प्रवेष में छूट –

1. प्रवेष हेतु निर्धारित न्यूनतम प्राप्तांक मे 10 प्रतिषत की छूट प्रदान किया जाना है।
2. प्रत्येक पाठ्यक्रम में इन छात्रों के प्रवेष के लिए आवष्कतानुसार 5 प्रतिषत तक सीट में वृद्धि की जा सकती है।

3. **चयन का आधार** :–

- छात्रों का चयन विभिन्न संकायों में मेरिट अंको के आधार पर रहेगा।

4. **अधिभार** –

अधिभार मात्र गुणानुक्रम निर्धारण के लिए ही प्रदान किया जायेगा, पात्रता प्राप्ति हेतु इसका उपयोग नहीं किया जायेगा। अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांकों के प्रतिशत पर ही अधिभार देय होगा, अधिभार हेतु समस्त प्रमाण–पत्र प्रवेश आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। आवेदन पत्र जमा करने के पश्चात् बाद में लाये जाने/जमा किये जाने वाले प्रमाण–पत्रों पर अधिभार हेतु विचार नहीं किया जायेगा, एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर मात्र सर्वाधिक अधिभार ही देय होगा।

4.1 एन.सी.सी./एन.एस.एस./स्काउट्स–

स्काउट्स शब्द को स्काउट्स/गाइड्स /रेन्जर्स/रोवर्स के अर्थ में पढ़ा जावे।

| | | |
|---|---|---|
| (क) | एन.एस.एस./एन.सी.सी.''ए'' सर्टिफिकेट | 02 प्रतिशत |
| (ख) | एन.एस.एस./एन.सी.सी. ''बी'' सर्टिफिकेट या द्वितीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स | 03 प्रतिशत |
| (ग) | ''सी'' सर्टिफिकेट या तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स | 04 प्रतिशत |
| (घ) | राज्य स्तरीय संचालनालयीन एन.सी.सी. प्रतियोगिता में ग्रुप का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों को | 04 प्रतिशत |
| (च) | नई दिल्ली के गणतंत्र दिवस परेड में छत्तीसगढ़ के एन.सी.सी /एन.एस.एस. कटिन्जेन्स में भाग लेने वाले विद्यार्थी को | 05 प्रतिशत |
| (छ) | राज्यपाल स्काउट्स | 05 प्रतिशत |

| | | |
|---|---|---|
| (ज) | राष्ट्रपति स्काउट्स | 05 प्रतिशत |
| (झ) | छत्तीसगढ़ का सर्वश्रेष्ठ एन.सी.सी. कैडेट | 10 प्रतिशत |
| (य) | यूथ ऑफ एडिनबर्ग अवार्ड प्राप्त एन.सी.सी. कैडेट भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम एन.सी.सी. / एन.एस.एस. के लिए चयनित एवं प्रवास करने वाले कैडेट को अन्तर्राष्ट्रीय के लिए चयनित करने वाले विद्यार्थियों को | 15 प्रतिशत |
| 13.2 | आनर्स विषय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थी को स्नातकोत्तर कक्षा में उसी विषय में प्रवेश लेने पर | 10 प्रतिशत |
| 13.2<br><br>(1)<br><br><br><br><br>(क)<br>(ख) | खेलकूद / साहित्यिक / सांस्कृतिक / क्विज / रूपांकन प्रतियोगिताएं–<br>लोक शिक्षण संचालनालय अथवा छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतर जिला, संभाग स्तर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित अंतर संभाग क्षेत्र स्तर प्रतियोगिता में<br>प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य का<br>व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को | <br><br><br><br><br><br>02 प्रतिशत<br>04 प्रतिशत |
| (2)<br><br><br><br><br><br><br>(क)<br>(ख)<br>(ग) | उपयुक्त कंडिका 13.4 (1) में उल्लेखित विभाग / संचालनालय द्वारा आयोजित अंतर–संभाग राज्य स्तर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित अंतर–क्षेत्रीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अथवा भारतीय विश्वविद्यालय संघ ए.आई.यू. द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अथवा संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में–<br>प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को<br>व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को<br>संभाग क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को | <br><br><br><br><br><br><br>06 प्रतिशत<br>07 प्रतिशत<br>05 प्रतिशत |
| (3)<br><br>(क)<br><br>(ख)<br><br>(ग) | भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में –<br>व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को<br>प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान अर्जित करने वाली टीम के सदस्यों को<br>क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को | <br><br>15 प्रतिशत<br><br>12 प्रतिशत<br><br>10 प्रतिशत |
| 13.4 | भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ अथवा साईन्स एवं कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विज्ञान / सांस्कृतिक / साहित्यिक / कला क्षेत्र में चयनित एवं प्रवास करने वाले दल के सदस्यों को | 10 प्रतिशत |

| | | |
|---|---|---|
| 13.5<br><br>(क)<br>(ख) | छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त खेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में–<br>छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्य को<br>प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छत्तीसगढ़ की टीम के सदस्यों को | 10 प्रतिशत<br>12 प्रतिशत |
| 13.6 | जम्मू कश्मीर के विस्थापितों तथा उनके आश्रितों को | |
| 13.7 | विशेष प्रोत्साहन –<br>छत्तीसगढ़ राज्य एवं महाविद्यालय के हित में एन.सी.सी./ खेलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए एन.सी.सी. के राष्ट्रीय स्तर के सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स तथा ओलम्पियाड/एशियाड/ स्पोर्टस ऑथारिटी ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बगैर गुणानुक्रम के आगामी शिक्षा सत्र में उन कक्षाओं में सीधे प्रवेश दिया जाए जिनकी उन्हें पात्रता है कि–<br>(1) इस प्रकार के प्रमाण–पत्रों को संचालक, खेल एवं युवा कल्याण, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अभिप्रमाणित किया गया हो, एवं<br>(2) यह सुविधा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगी जिन्होंने निर्धारित समयावधि के अंतर्गत अपना अभ्यावेदन महाविद्यालय में प्रस्तुत किया है, परन्तु इस प्रकार की सुविधा दूसरी बार प्राप्त करने के लिए उन्हें उपलब्धि पुनः प्राप्त करना आवश्यक होगा। | |
| 13.8 | प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु स्कूल स्तर के पिछले चार क्रमिक सत्र तक के प्रमाण–पत्र स्नातकोत्तर प्रथम या विधि प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु विगत तीन क्रमिक सत्र तक के प्रमाण–पत्र अधिभार हेतु मान्य किया जावेंगे। स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं स्नातकोत्तर द्वितीय में प्रवेश हेतु पूर्व सत्र के प्रमाण–पत्र अधिभार हेतु मान्य होंगे। | |

5. **<u>प्रवेश हेतु आवेदन</u>** :–

इस वर्ष महाविद्यालय स्तर पर प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र विष्वविद्यालय स्तर पर जमा कराया जायेगा। महाविद्यालय के लिए जितने आवेदन जमा होंगे, उसे महाविद्यालय को प्रेषित किये जायेंगे। ऑनलाईन प्राप्त आवेदन में से प्राचार्य, ष्शासन से प्राप्त नियामों के आधार पर प्रवेष प्रदान किया जायेगा।

(अ) अपरिहार्य कारणों से यदि ऑफलाईन आवेदन जमा करना हो तो आवेदक द्वारा महाविद्यालय में प्रवेष के लिए प्राचार्य द्वारा निर्धारण दिनॉक तक महाविद्यालय में जमा किये जायेंगे।

(ब) प्रवेष हेतु बोर्ड/विष्वविद्यालय द्वारा अंकसूची प्रदान न किये जाने की स्थिति में पूर्व संस्था के संबंधित प्राचार्य द्वारा प्रमाणित किये जाने पर बिना अंकसूची के आवेदन पत्र जमा किये जा सकेंगे।

(स) राष्ट्रीय षिक्षा निति 2020 के अनुरूप किसी भी संषोधन/परिवर्धन के निर्देष पृथक से परित किये जायेंगे।

- आवेदन के साथ निम्न स्वाहस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र संलग्न किये जाने चाहिए–
  1 निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य अधिभार संबंधि प्राप्ति के प्रमाण–पत्र।
  2 जाति प्रमाण–पत्र जहां लागू हो।
  3 जन्मतिथि दर्षाने वाला प्रमाण–पत्र।
  4 अंकसूची/पात्रता परीक्षा प्रमाण–पत्र।
- प्रवेष के समय आवष्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।
  1 स्थानतरंण प्रमाण–पत्र।
  2 चरित्र प्रमाण–पत्र।
  3 सत्यापन हेतु मूल अंक सूची।
  4 पात्रता प्रमाण–पत्र (यदि आवष्यक हो तो)।
  5 माइग्रेषन प्रमाण–पत्र(यदि आवष्यक हो तो)।
  6 अनापत्ति प्रमाण–पत्र (यदि आवष्यक हो तो)।
- नामसूची से नाम निरस्तीकरण–
  विद्यार्थियों का नामसूची से निम्नलिखित कारणों से काट दिया जायेगा–
  1 विद्यार्थियों का आचरण अध्ययन में अच्छा न होने पर ।
  2 अध्ययन में उसकी प्रगति संतोषप्रद न होने पर।
  3 यदि प्राचार्य उसका नाम काटा जाना उचित समझते हों।
- उपस्थित एवं अध्ययन संबंधी –
  1 प्रत्येक विषय एवं प्रायोगिक कक्षाओं में विद्यार्थि की 75 प्रतिषत उपस्थित अनिवार्य होगा।
  2 विद्यार्थी प्रयोगषाला में उपकरणों का उपयोग सावधानी पूर्वक करेगा। उनको स्वच्छ रखेगा एवं प्रयोगषाली को साफ–सुथरा रखेगा।
  3 ग्रंथालय द्वारा स्थापित नियमों का पूर्व पालन करेगा, उसे निर्धारित संख्या में ही पुस्तको प्राप्त होगी तथा समय से न लौटानें पर निर्धारित आर्थिक दण्ड देना होगा।
  4 अध्ययन से संबधित किसी भी कठिनाई के वह गुरूजनों के समक्ष अथवा प्राचार्य के समस्त शांतिपूर्वक ढंग से अभ्यावेदन प्रस्तुत करेगा।
  5 व्याख्यान कक्षों प्रयोगषालाओं या वाचनालय में पंखें, लाइट, फर्नीचर, इलेक्ट्रिक, फिटिंग आदि की तोड़फोड करना दण्डात्मक आचरण माना जायेगा।

**संकाय/विषय/ग्रुप परिर्वतन**

स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन कर प्रवेष चाहने वाले विद्यार्थियों को उनके प्रांप्ताको से 05 प्रतिषत घटाकर उनका गुणानुक्रम निर्धारित किया जायेगा, अधिभार घटे हुए प्राप्तकों पर देय होगा। महाविद्यालय में स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में एक बार प्रवेष लेने के बाद वर्तमान सत्र् के दौरान संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन की अनुमति महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा 30 सितम्बर तक या विलम्ब से मुख्य परीक्षा परिणाम आने पर कंडिका 2.2 में उल्लेखित प्रवेश की अंतिम तिथि 15 दिनों तक ही दी जायेगी। यह अनुमति उन्हीं विद्यार्थियों को देय होगी जिनके प्राप्तांक संबंधित विषय/संकाय की मूल गुणानुक्रम सूची में अंतिम प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी के समकक्ष या उससे अधिक हों।

# NEP – 2020

| COURSE | DSC | | VAC | | GE | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Sub | | Sub | | Sub | |
| B.A. Ist Sem. | Geography | Fundamental Of Physical Geography (T) | Geography | Geographical Knowledge In Ancient India | Commerce | Business Fundamental Of Accounting |
| | | Cartography Tools And Technique (P) | Political Sci | Constitutional Values | | Business Economics |
| | Political Sci | Introduction To Political Theory | Sociology | Indian Traditional Values | | Business Laws |
| | Sociology | Introduction To Sociology | | | Botany | Elementry Botany(T) |
| | | | | | | Lab Course -Elementry Botany(P) |
| | | | | | Chemistry | Fundamental Chemistry-1(T) |
| | | | | | | Chemistry Lab Course -1(P) |
| | | | | | Physics | Machanics(T) |
| | | | | | | Lab Course(P) |
| | | | | | Zoology | Lifeon Earth & Unique Atributes Of Animal Kindom(T) |
| | | | | | | Lifeon Earth & Unique Atributes Of Animal Kindom(P) |
| | | | | | Maths | Elementry Calculus |
| B.Com. Ist Sem. | Commerce | Business Fundamental Of Accounting | Commerce | Concept Of Business | Botany | Elementry Botany(T) |
| | | Business Economics | | | | Lab Course -Elementry Botany(P) |
| | | Business Laws | | | Chemistry | Fundamental Chemistry-1(T) |
| | | | | | | Chemistry Lab Course -1(P) |
| | | | | | Physics | Machanics(T) |
| | | | | | | Lab Course(P) |
| | | | | | Zoology | Lifeon Earth & Unique Atributes Of Animal Kindom(T) |
| | | | | | | Lifeon Earth & Unique Atributes Of Animal Kindom(P) |
| | | | | | Maths | Elementry Calculus |
| | | | | | Political Sci | Introduction To Political Theory |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Sociology | Introduction To Sociology |
| | | | | | Geography | Fundamental Of Physical Geography (T) |
| | | | | | | Cartography Tools And Technique (P) |
| B.Sc. I st Sem. | Botany | Elementry Botany(T) | Botany | Herbal Plant &Human Health | Political Sci | Introduction To Political Theory |
| | | Lab Course -Elementry Botany(P) | | | Sociology | Introduction To Sociology |
| | Chemistry | Fundamental Chemistry-1(T) | Chemistry | Chemistry In Dailylife | Geography | Fundamental Of Physical Geography (T) |
| | | Chemistry Lab Course -1(P) | | | | Cartography Tools And Technique (P) |
| | Physics | Machanics(T) | Physics | Renweable Energy And Energy Harvesting | Commerce | Business Fundamental Of Accounting |
| | | Lab Course(P) | | | | Business Economics |
| | Zoology | Lifeon Earth & Unique Atributes Of Animal Kindom(T) | Zoology | Public Health &Hygiene | | Business Laws |
| | | Lifeon Earth & Unique Atributes Of Animal Kindom(P) | | | | |
| | Maths | Elementry Calculus | Maths | Basic Mathemetics And Logic | | |

# शुल्क

| नवीन / नवीनीकरण प्रवेशार्थी | जमा की जाने वाली शुल्क राशि | |
|---|---|---|
| | छात्र | छात्रा |
| M.A. (Geography)-I | 2220 | 2105 |
| M.Sc. (Chemistry)-I | 2220 | 2105 |
| M.A. (Geography)-III | 2120 | 2005 |
| M.Sc. (Chemistry)-III | 2120 | 2005 |
| B.A.-I /II Semester | 1680 | 1565 |
| B.Sc.- I /II Semester | 1780 | 1665 |
| B.Com- I /II Semester | 1610 | 1495 |
| B.A.-III/ IV/V/VI Semester | 1620 | 1505 |
| B.Sc.- III/ IV/V/VI Semester | 1720 | 1605 |
| B.Com- III/ IV/V/VI Semester | 1550 | 1435 |

1. यह शुल्क का विवरण सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों हेतु लागू होगा। एस.सी./एस.टी./छात्राओं के शुल्क में ट्यूशन फीस 115 रू. नही लगेगी अर्थात् कुल जमा की जाने वाली शुल्क राशि में से 115 रू. घटाकर उपरोक्त वर्ग के विद्यार्थी शुल्क जमा करेगें।
2. प्रत्येक शुल्क तथा जमा की गयी राशि के लिए छात्र/छात्रा उसी समय रसीद प्राप्त करें। यदि रसीद मिलने में कोई कठिनाई हो तो तुरन्त प्राचार्य को सूचित करें। रसीद नहीं लेने तथा उसी समय प्राप्त न करने की जिम्मेदारी स्वयं छात्र की होगी।
3. शुल्क की राशि शासन के निर्देशानुसार परिवर्तनीय है। परिवर्तन संबंधी सभी आदेश अनिवार्य रूप से मानने होंगे।
4. नामांकन शुल्क उन छात्र/छात्रा के लिए देय है, जो बोर्ड अथवा अन्य विश्वविद्यालय से स्थानांतरित होकर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में नामांकित होना चाहते है।
6. समस्त शुल्क आवश्यक रूप से जमा जाना चाहिए।

**धरोहर राशि (अमानत राशि) पास करने के नियम**

धरोहर राशि निकलवाने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर महाविद्यालय के कार्यालय में कम से कम 10 दिन पूर्व जमा करें।

महाविद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र (T.C) प्राप्त करने के पश्चात् राशि दी जायेगी।

परिचय पत्र एवं मूल रसीद के बिना धरोहर राशि का भुगतान नहीं किया जायेगा।

धरोहर राशि का भुगतान साधारणतया प्रति शुक्रवार को अपरान्ह में ही किया जायेगा।

छात्र/छात्रा द्वारा महाविद्यालय छोड़ने के तीन वर्ष के अंदर धरोहर राशि (Caution Money) वापस प्राप्तकरने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। तीन वर्ष व्यतीत होने पर शासन के आदेशानुसार धरोहर राशि (Caution Money) वापस नहीं की जायेगी।

# छात्रवृत्ति

## //अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति//

**छात्रवृत्तियां** –

1. छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारत सरकार की ओर से नियमित विद्यार्थियों को अनेक प्रकार की छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती है। जिनका ब्यौरा नोटिस बोर्ड पर लगा दिया जाता है।
2. इच्छुक छात्र पात्रतानुसार अपने आवेदन पर निर्धारित अंतिम तिथि के पहले भरकर महाविद्यालय के कार्यालय में प्रस्तुत करें।
3. एक छात्र/छात्रा को नियमानुसार केवल एक ही छात्रवृत्ति का लाभ लेने की पात्रता होगी।
4. छात्रवृत्ति हेतु आवेदन जमा करने से पूर्व आवेदक को निर्धारित अन्य बैंक में अपना बचत खाता अनिवार्यतः खोलना होगा जिसका उल्लेख प्रवेश आवेदन पत्र तथा छात्रवृत्ति आवेदन पत्र में अनिवार्यतः करना होगा।

(अ) महाविद्यालय में विभिन्न छात्रवृत्तियों हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने हेतु तिथियां महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर घोषित की जावेगी।

(ब) गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले विद्यार्थी को शासन द्वारा संचालित, बी.पी.एल. छात्रवृत्ति,कल्याण छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ लेन के लिए बी.पी.एल. (गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले) का सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रवेश पत्र के साथ संलग्न करना होगा। प्राप्तांकों का प्रतिशत 60 या उससे अधिक तथा माता पिता का मूल वेतन 25000 वार्षिक तक होना अनिवार्य है।

1. स्नातक त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम देय माह 30 प्रतिमाह 300/–
2. स्नातकोत्तर दो वर्षीय पाठ्यक्रम देय माह 20 प्रतिमाह 500/–

**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों को सुविधा**:–

(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को विविध छात्रवृत्तियां दी जाती है जिसके लिए आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

**टीप :–**

ऑनलाइन आवेदन शासन की वेबसाईट (http://postmatric-scholarship.cg.nic.in) ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने हेतु दिशा–निर्देश छात्रवृत्ति कक्ष के सम्मुख दर्शाये गये हैं। आवेदन करने के पूर्व दिशा–निर्देशों का अनिवार्य रूप से अध्ययन करें।

आदिम जाति तथा अनुसूचित विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के नियमित विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इच्छुक पात्र विद्याथियों को वेबसाइट https://postmatric&scholarship-cg-nic-in@ पर ऑनलाइन आवेदन कर निर्धारित अंतिम तिथि तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय के छात्रवृत्ति लिपिक के पास जमा करना अनिवार्य है।

## //बीपीएल छात्रवृत्ति//

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महविद्यालय में अध्ययनरत आर्थिक रूप से पिछड़े (Below Poverty Line) वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। बीपीएल छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal www-scholarships.gov.in पद पर ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन करना होगा।

आवश्यक दस्तावेज –

(1) ऑनलाइन आवेदन/पंजीयन की हार्ड कॉपी।

(2) बीपीएल कार्ड (गरीबी रेखा कार्ड/राशन कार्ड) की स्वयं सत्यापित छायाप्रति, जिसमे आवेदक का नाम दर्ज हो।

(3) आधार कार्ड की स्वयं सत्यापित छायाप्रति।

(4) सक्षम अधिकारी द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र की स्वयं सत्यापित छायाप्रति।

(5) 10वीं की अंकसूची की स्वयं सत्यापित छायाप्रति।

(6) अंतिम उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची की स्वयं सत्यापित छायाप्रति।

(7) स्वयं के बैंक पासबुक की स्वयं सत्यापित छायाप्रति, जिसमे आवेदक की फोटो चस्पा हो, आधार से लिंक होने एवं खाता चालू/सक्रिय (Active) होने का प्रमाणन हो।

(8) प्रवेश शुल्क रसीद की सत्यापित छायाप्रति।

(9) एक नवीनतम पासपोर्ट साइज़ फोटो।

(10)ओ.टी.आर. पंजीयन की फोटो कॉपी।

**छात्रवृत्ति हेतु पात्रता** :–

1. विद्यार्थी को अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग का होना अनिवार्य है।
2. अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी के परिवार की अधिकतम वार्षिक आय रू.100000/– होनी चाहिए।
3. अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के विद्यार्थी के परिवार की अधिकतम वार्षिक आय रू. 250000/– होनी चाहिए।

# ग्रंथालय

## ग्रंथालय विभाग

### ग्रंथालय का परिचय

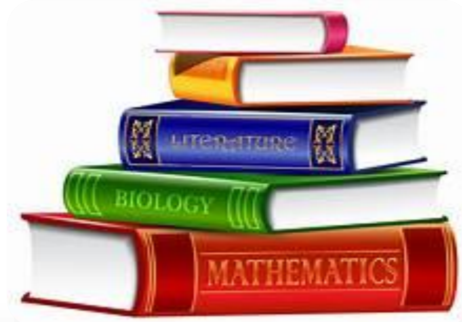

फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर, जिला – गरियाबंद (छ.ग.) की स्थापना सन् 2013 में हुई थी। उसी वर्ष से पुस्तकालय का भी शुरूवात हुई है। पुस्तकालय महाविद्यालय के शैक्षणिक और शोध मिशन को आगे बढ़ाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा ज्ञान के सृजन और प्रसार में मदद करता है। महाविद्यालय के पुस्तकालय में 9880 पुस्तकें उपलब्ध है। पुस्तकालय में पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, पाठ्य पुस्तकें, दुर्लभ पुस्तकें, पत्रिकाओं आदि का उत्कृष्ट मुद्रित संग्रह है। पुस्तकालय में 5 समाचार पत्र, 1 पत्रिका,नियमित सदस्यता है। पुस्तकालय विभिन्न संदर्भ संसाधनों जैसे शब्दकोश, एटलस, वर्ष पुस्तिका आदि का समृध्द संग्रह है। पुस्तकालय में एकवाचनालय है। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं शोधकर्ताओं और शिक्षकों को ग्रंथालय के माध्यम से ई–संसाधनों तक पहूंच प्रदान करता हैं, ई–संसाधन के रूप में भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (NDLI) एक पूर्णतः डिजिटल लाइब्रेरी है जो विभिन्न प्रकार की डिजिटल सामाग्रीयां के बारे में जानकारी (मेटाडेटा) संग्रहित करती है जिसमें किताबें, लेख, वीडियों, ऑडियों, थीसिस और अन्य शैक्षणिक सामाग्रीयां प्रदान करते है। महाविद्यालय के अधिकृत उपयोगकर्ता अब प्रकाशक की वेबसाइट से सीधे ई–संसाधनों तक पहूंच सकते है और उनके लिए आवश्यक लेख डाउनलोड कर सकते है। महाविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ता और संकाय उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड के साथ ई–संसाधनों तक दूरस्त पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। हमारे महाविद्यालय में एक वाचनालय के साथ एक सुसज्जित पुस्तकालय है जो वर्ष भर विद्यार्थियों के लिए सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुला रहता है, रविवार तथा सरकारी छुटिट्यों को छोड़कर आमतौर पर सभी पुस्तकें सप्ताह के लिए जारी की जाती है। हमारे महाविद्यालय में शिक्षकों और छात्र–छात्राओं को पुस्तकालय की सेवाएं प्राप्त हो रही है।

पुस्तकें और शिक्षा एक–दूसरे के घनिष्ठ रूप से जुड़ी है, क्योंकि पुस्तकें ज्ञान और जानकारी का मुख्य स्त्रोत है, जो शिक्षा के लिए आवश्यक है। **महात्मा गांधी** ने पुस्तक के विषय में खूब कहा है कि – **"पुस्तकें ज्ञान का भंडार है, जो हमें जीवन जीने का तरीका सिखाती है।**"जीवन में सफलता प्राप्त करना है तो पुस्तक की आवश्यकता पड़ती है क्योंकि पुस्तकें ज्ञान का भंडार है, जो लोगों का जीवन का सर्वांगीण विकास करता है तथा विभिन्न प्रकार के गतिविधियों को बेहतर बनाती है।

## ग्रंथालय की मूलभूत साधन/सेवाएं

| | |
|---|---|
| पुस्तकालय का कुल क्षेत्रफल | **693.82 sq. Ft** |
| कुल बैठने की क्षमता | **15 - 20** |
| कार्य समय (सोमवार से शनिवार) | **10:30 am to 5:30 pm** |
| पुस्तकालय का लेआउट | छात्रों और कर्मचारियों के लिए पढ़ने का कक्ष |
| पुस्तकालय में उपलब्ध | विषय आधारित संबंधित पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, समाचार पत्र, जर्नल, मैक्जिन, पुस्तकों का स्टॉक कक्ष |
| पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की संख्या | 9880 |
| महाविद्यालय में छात्रों की संख्या | 684 |
| पुस्तकालय में अन्य पुस्तकें उपलब्ध | सामान्य ज्ञान की पुस्तकें, शब्दकोश, विश्वकोष |
| पाठ्यक्रम | बी.ए. बी.कॉम, बी.एस.सी.(बायो), बी.एस.सी.(गणित) एम.ए. (भूगोल) एम. एस. सी.(रसायन) |
| ई–सोर्सेस | NDLI (भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी) |
| गतिविधियां | पुस्तकालय से संबंधित प्रोग्राम |
| सेवाएं एवं सुविधाएं | निः:शुल्क पुस्तक लेन–देन व सप्ताह में 6 दिन तथा 7 घण्टा पढ़ने की सुविधा |
| भविष्य में योजना | डिजिटल लाइब्रेरी (सॉफ्टवेयर), हाई स्पीड वाई–फाई की कनेक्टिविटी, इन्टरनेट की सुविधा |

## ग्रंथालय विभाग द्वारा आयोजित वर्कशॉप

00महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने केवल शैक्षणिक गतिविधियां पर ही नहीं अपितु विभिन्न प्रोग्राम में भी अच्छा प्रदर्शन करते है, हमारे महाविद्यालय के ग्रंथपाल द्वारा छात्र–छात्राओं के लिए 3 दिवसीय लाइब्रेरी मैनेजमेंट पर आधारित वर्कशॉप का आयोजन किया था, जिसमें छात्र–छात्राओं ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रोग्राम में भाग लिये। लाइब्रेरी वर्कशॉप होने से पुस्तकों के भौतिक रख–रखाव किस प्रकार से किया जाये और पुस्तकों को कैसा पहचाना जाये।

## ग्रंथालय विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियां

हमारे महाविद्यालय के ग्रंथालय विभाग द्वारा छात्र–छात्राओं के लिए बसंत पंचमी के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता तथा मां सरस्वती की पूजा अर्चना में पूरे भाव भक्ति के साथ सम्पन्न किया है। रंगोली प्रतियोगिता एवं सरस्वती पूजा के माध्यम से छात्र–छात्राओं के द्वाराकला और संस्कृति का प्रदर्शन किया गया। महाविद्यालय के ग्रंथपाल **डॉ. भुलेश्वरी साहू** ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा है कि **''ग्रंथालय वह स्थान है, जहां सरस्वती मां स्वयं विराजितहोती है''**।

| नम | डॉ. भुलेश्वरी साहू |
|---|---|
| पदनाम | अतिथि ग्रंथपाल |
| योग्यता | एमलिब, पीएचडी. |
| ई–मेल आईडी | Bhumikasahu1591@gmail.com |
| मोबाईल नम्बर | 9754268737 |
| | |

# खेल विभाग

फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर, अपने स्थापना के वर्ष 2013 से लेकर आज तक एक लम्बा सफर तय कर चुका है। महाविद्यालय फिंगेश्वर नगर के बीचों–बीच स्थित है। शुरुआत में महाविद्यालय में लगभग 150 छात्र पंजीकृत थे, अब 684 से अधिक पंजीकृत छात्र हमारे महाविद्यालय के विकास की वास्तविकता बयां करते हैं।

शिक्षा और खेल एक सिक्के के दो पहलू हैं। खेल महाविद्यालय के छात्रों के शारीरिक विकास कीमुख्य रीढ़ हैं। अरस्तू ने सही कहा है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शिक्षा में व्यक्ति बौद्धिक पाठ सीख सकता है जबकि खेल में व्यक्ति जीवन के पाठ सीख सकता है, इसलिए ये दोनों ही मानसिक और शारीरिक विकास का एक बेहतरीन संयोजन हैं। स्वस्थ मस्तिष्क और शरीर के लिए व्यक्ति को खेल और शिक्षा दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

शिक्षा को सफलता और मानसिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है। खेलों का महत्व हमेशा से ही लाभ का विषय रहा है, यह साबित हो चुका है कि खेल भी उतना ही जितना महत्वपूर्ण शिक्षा है। खेल न केवल आपके शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं। खेल खेलने से छात्रों को परीक्षा या शैक्षणिक दबाव तथा मानसिक तनाव से निपटने में मदद मिल मिलती है।

हमारे महाविद्यालय के छात्र न केवल शैक्षणिक बल्कि खेल के क्षेत्र में भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं। हर साल हमारे छात्र विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेते हैं। वे विभिन्न खेल आयोजनों में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करते हैं। खो–खो, फुटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, कुश्ती, कबड्डी, शतरंज, सॉफ्टबॉल, हैंड बॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, एथलेटिक्स स्पर्धाओं में हमारे छात्र–छात्राएं सक्रियता से भाग लेकर अपने शारीरिक विकास को गति दे रहे हैं

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों में विजेताओं का सम्मान वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए

# राष्ट्रीय सेवा योजना, ईकोक्लब, रेडक्रास

# NSS, ECO CLUB, RED CROSS

राष्ट्रीय सेवा योजना युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की एक केंद्रीय सरकारी क्षेत्र की योजना है। एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक नेतृत्व के लिए आवश्यक कौशल और व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान करना है। स्वामी विवेकानंद को एनएसएस के जनक के रूप में जाना जाता है क्योंकि विवेकानंद को राष्ट्र के युवाओं पर बहुत भरोसा था और उनसे बहुत उम्मीदें थीं। उन्होंने कहा था कि ''युवा, मजबूत और स्वस्थ और तीक्ष्ण बुद्धि वाले लोग ही भगवान तक पहुँचेंगे''।

युवा सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिवर्तन के विकासकर्ता और परिवर्तन की प्रेरक शक्ति हैं, इसलिए 24 सितंबर, 1969 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. वी.के.आर.वी. राव ने 37 विश्वविद्यालयों में एनएसएस की शुरुआत की।

## एनएसएस की थीम

एनएसएस का लोगो विश्व प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर के विशाल रथ चक्र पर आधारित है। लोगो में शामिल लाल और नीले रंग ने एनएसएस स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण सामाजिक सेवाओं के लिए सक्रिय और ऊर्जावान होने के लिए प्रेरित किया।

वर्ष 2006 में संस्थान में 100 स्वयंसेवकों की एनएसएस इकाई शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य लड़कियों को सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रेरित करना था। एनएसएस इकाई पं. आर. एस.यू. से संबद्ध है। इकाई विश्वविद्यालय की अनुसूची के अनुसार कार्य करती है। वर्ष भर इकाई सामाजिक जागरूकता, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता के लिए काम करती है।

यह इकाई सामाजिक, पर्यावरण जागरूकता और स्वच्छता के लिए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम तथा ग्रीन आर्मी के साथ मिलकर काम करती है।

श्रीमती रात्रि लहरी संस्थान की एनएसएस अधिकारी हैं। वे प्रशिक्षित एनएसएस अधिकारी हैं और अपनी सक्रिय भूमिका के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित हैं। वे प्रशिक्षित कार्यक्रम अधिकारी और रिपोर्टर हैं।

## उद्देश्य

- छात्रों में सामाजिक जागरूकता पैदा करना और समाज की सेवा करना।
- जरूरतमंद लोगों की मदद करना और उनके जीवन स्तर को बढ़ाना।
- एनएसएस स्वयंसेवकों में नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारियों को विकसित करना।
- आपदा प्रबंधन में मदद करना।
- स्वयंसेवक जिस समुदाय में काम करते हैं, उससे जुड़ना।

- समुदाय में अपनी भूमिका को समझना।
- समुदाय की जरूरतों और समस्याओं की पहचान करना और उनका समाधान करना।
- सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना।
- व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याओं के समाधान खोजने में ज्ञान का उपयोग करना।
- समूह में रहने और जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करना।

## विशेष गतिविधियों – 120 घंटे

- विशेष शिविर (कॉलेज के बाहर 7 दिन)
- वृक्षारोपण
- ग्राम स्वच्छता
- बालिका शिक्षा, आय सृजन और कृषि के लिए सर्वेक्षण
- प्रेरक व्याख्यान
- रैली
- प्रेरणादायक सांस्कृतिक गतिविधियाँ।
- बांधों का निर्माण।

## राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों में सामाजिक उत्तरदायित्व, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव की भावना पैदा करती है।

## राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत किए गए कार्य निम्नानुसार हैं। विश्वविद्यालय को फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय, फिंगेश्वर, गरियाबंद, छत्तीसगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई में 100 स्वयंसेवक आबंटित किए गए हैं।

डॉ. देवदास बंजारे, सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) हमारे महाविद्यालय में एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी हैं। नशा मुक्ति कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा रैली, नुक्कड़ नाटक, नशामुक्ति शपथ, शराब और तंबाकू उत्पादों का दहन आदि का आयोजन किया गया। गांव की सफाई और सौंदर्याकरण, श्रमदान किया गया, तालाब के चारों ओर सफाई और वृक्षारोपण भी किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जन जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक और घर–घर जाकर गांव संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीकाकरण बीमारी के स्वास्थ्य सर्वेक्षण के लिए राष्ट्रीय सेवा योजुता के स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम संपर्क ग्राम सर्वेक्षण किया गया।

प्लास्टिक उत्पादों का बहिष्कार करने तथा प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने की शपथ लेने और प्लास्टिक उत्पादों का बहिष्कार करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया गया। पूर्ण मतदान के लिए मतदान जागरूकता और जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया और साथ ही पोषण अभियान भी चलाया गया।

शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर,जिला गरियाबंद(छ.ग.)

DAYS SPECIAL CAMP
Shot on motorola edge 40 neo

DAYS SPECIAL CAMP
Shot on motorola edge 40 neo

# भारतीय रेडक्रास सोसायटी

## छत्तीसगढ राज्य शाखा, रायपुर यूथ रेडक्रास नियमावली

रेडक्रास एक ऐच्छिक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो 1863 में हेनरी ड्यूनांट द्वारा युद्धभूमि पर जख्मी और पीडितों की सहायता प्रदान करने के लिये स्थापित किया गया था। रेडक्रास का मूलभूत सिद्धांत निम्नानुसार है :–

1. मानवता

2. निश्पक्षता

3. तटस्थता

4.स्वतंत्रता

5.स्वयं प्रेरित सेवा

6. एकता

7. सर्वव्यापकता

इसके पश्चात संगठन के उद्देश्य अधिक व्यापक बनाए गये जिसमें समस्त रूग्ण और पीडितों को युद्ध के समय या शांतिकाल में सहायता प्रदान करने का संकल्प किया गया। रेडक्रास के शांतिकाल के कार्य मुख्यतः निम्नलिखित हैं–

अ. शरीर एवं स्वास्थ्य की उन्नति.

ब. रोगों पर प्रतिबंध.

स. पीडितों की सहायता.

युवक रेडक्रास संगठन, मूल संगठन के समान ही युद्ध के परिणाम स्वरूप स्थापित हुआ। सन् 1913 में प्रथम विश्वयुद्ध जब प्रारंभ हुआ तब कनाडा के एक प्रदेश क्यूबेक की शाला के विद्यार्थियों ने सैनिकों के लिए बैन्डेजे तथा ड्रेसिंग्स और अन्य सुविधा के साधन बनाकर रेडक्ररा के कार्यों में सहयोग दिया। इस कल्पना ने जल्दी ही व्यापक स्वरूप धारण किया। सन् 1915 के आस पास कनाडा तथा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के युवकों ने उनके व्यक्तिगत व्यय में से पैसे बचाना शुरू किए। उन पैसों को एकत्रित कर उन्होंने लडने वाले सैनिकों के लिये ड्रेसिंग्स तथा अन्य सुविधायें खरीदी। सन् 1919 में जब विभिन्न रेडक्रास संगठनो का मिलकर एक संघ स्थापित हुआ तब यूथ रेडक्रास को विभिन्न देशों में कार्यान्वित करने के लिये यूथ रेडक्रास ब्यूरो स्थापित किया गया ।

## यूथ रेडक्रास का संगठन :–

यूथ रेडक्रास, इण्डियन रेडक्रास की एक शाखा है जिसका संबंध 18 वर्ष से 35 वर्ष तक आयु के विश्वविद्यालयों व्दारा मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों के नियमित छात्र, छात्राएं और प्राध्यापक वर्ग से है। प्रत्येक महाविद्यालय में युवक रेडक्रास की युनिट की स्थापना करने के लिये प्रत्येक शिक्षार्थी, प्राध्यापक वर्ग का सक्रिय सहयोग आवश्यक है ।

यूथ रेडक्रास के संगठन का उद्देश्य युद्ध और शांतिकाल में मानवता की सेवा करना है 1 प्रत्येक युवक को इस अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का सदस्य बनकर प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिये तभी वे ग्रामीणों और नगरीय क्षेत्रों के नागरिकों की सेवा भली–भांति कर सकते हैं।

जन स्वास्थ्य, गंदी बस्तियों की साफ–सफाई, रोगी कल्याण, आशक्त एवं असहायों की सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्रदूषण निवारण, प्राकृतिक आपदा तथा दुर्घटना आदि के कारण निर्मित आपातिक स्थितियों के तात्कालिक सहायता जैसे कार्य करना यूथ रेडक्रॉस के सदस्यों के कर्तव्य हैं। साथ ही मानव मूल्यों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के मानवतावादी उत्तरदायित्वों की निर्वहन करते हुए विश्व मातृत्व की भावना को बढ़ाना भी यूथ रेडक्रॉस का एक महत्वपूर्ण कार्य हैं।

# यूथ रेडक्रास यूनिट का संगठन :–

यूथ रेडक्रॉस युनिट की स्थापना सभी महाविद्यालयों में की जायेगी । कार्यक्रमों के संचालन एवं राज्य शाखा तथा जिला शाखा के साथ समन्वय हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य की अध्यक्षता में एक कार्यसमिति का गठन किया जायेगा । इस समिति के सदस्यों का चयन प्राचार्य द्वारा इस प्रकार किया जायेगा कि इसमें कम–से–कम तीन छात्रा प्रतिनिधि, प्राध्यापक, पी.टी.आई. पुस्तकालय प्रभारी सदस्य रहें। समिति में सदस्यों की अधिकतम संख्या 11 होगी। प्राध्यापक वर्ग का कोई सदस्य इसका संगठक होगा। जिलाध्यक्ष एवं मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य सेवा अधिकारी के परामर्श एवं मार्गदर्शन में जन स्वास्थ्य तथा सेवा के क्षेत्र में कार्य किए जाएंगे। यह समिति छात्रों के सर्वागीण विकास, उनमें स्वप्रेरित सेवा भाव जागृत करने, रोगियों पीड़ितो, अशक्त तथा असहायों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने, कार्य शालाओं का आयोजन करने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व भ्रातृत्व की भावना जागृत करने हेतु कार्य योजना बनाकर कार्य करेगी। महाविद्यालयीन स्तर पर इस समिति के कार्यो की छमाही समीक्षा, चेयरमेन राज्य शाखा द्वारा की जायेगी।

### पंजीयन एवं सदस्यता : –

सभी यूथ रेडक्रॉस युनिटों को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा में पंजीयन कराना होगा। पंजीयन के लिए 250/– रू. शुल्क के साथ एक आवेदन पत्र राज्य शाखा में प्रस्तुत कर पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

यूथ रेडक्रॉस का वार्षिक सदस्यता शुल्क रू. 25/– प्रति छात्र होगी।

सदस्यता शुल्क के रूप में प्राप्त राशि का 70 % महाविद्यालय द्वारा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में पृथक खाता खोलकर रखा जायेगा तथा कार्यसमिति के अनुमोदन से यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों पर व्यय किया जा

सकेगा। आय–व्यय का वार्षिक लेखा भी निर्धारित प्रारूप (परिशिष्ट एक) में राज्य शाखा तथा जिलाशाखा को वित्तीय वर्ष की समाप्ति के तत्काल पश्चात् प्रस्तुत की जायेगी। सदस्यता शुल्क की 30% राशि सीधे राज्य शाखा को भेजी जायेगी। राज्य शाखा द्वारा इस प्रकार प्राप्त राशि में से 10 % जिला शाखा को यूथ रेडक्रॉस कीगतिविधियों के संचालन तथा समन्वय पर व्यय की जायगी। राज्य शाखा के पास शेष जमा सदस्यता शुल्क की राशि में से 10 % अर्थात प्राप्त राशि का 1/2 राष्ट्रीय मुख्यालय को भेजी जायगी ।

## छत्तीसगढ युवक रेडक्रास के मुख्य कार्य :-

### (1) प्राथमिक उपचार–

1. प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य विज्ञान पर कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

2. प्राथमिक उपचार कीट का प्रबंध करना, जो आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लाई जा सके

3. Disaster Preparedness तथा Response प्रशिक्षण ।

### (2).रक्तदान

**1.** स्वेच्छा से रक्तदान करना और रक्तदान के लिये नागरिकों को प्रेरित करना**.**

### (3) नेत्रदान

1. अंधत्व की रोकथाम हेतु आयोजन शिविरों में भाग लेना।
2. नेत्रदान बाबत प्रचार–प्रसार कर जन–जागरूकता पैदा करना।

### (4) HIV/AIDS की रोकथाम हेतु कार्य करना

**(5) पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्रदूषण निवारण के लिये कार्यकरना। उपयुक्त सभी विशेष कार्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से संपन्न होंगे। इसकी पूर्ण जानकारी समय–समय पर राज्य शाखा /जिला शाखा द्वारा दी जायगी।**

### युवक रेडक्रास के अन्य कार्य –

1. तैरना तथा जीवनरक्षा के उपाय सीखने के लिये विद्यार्थियों तथा युवकों को प्रोत्साहित करना.
2. सहकारी पद्धति से स्टेशनरी पुस्तक भंडार चलाना और उसमें जो लाभ हो उससे गरीब विद्यार्थियों को सहायता देना
3. मलेरिया, चेचक, हैजा, प्लेग, मोतीझरा आदि रोगों के आक्रमण के बारे में स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ताओं तथा अधिकारियों को सूचना देना और सेवा कार्य करना.
4. छात्र भोजनालयों तथा केंटीन की व्यवस्था करना.
5. प्राकृतिक विपत्तियों जैसे– बाढ, अकाल, आग, भूकम्प आदि के निवारण में सहयोग देना.

6. आदर्श ग्राम, आदर्श घर, आदर्श कुओं आदि का महत्व ग्रामिणों को समझाना ।
7. कुओं को किटाणु रहित करना।
8. चूहों, मक्खियों, मच्छरों को समाप्त करने में सहयोग देना।
9. अस्पतालों में सेवा कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त करना ।
10. अर्न्तमहाविद्यालयीन सम्पर्क स्थापित करना ।
11. स्वयं सेवक के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करना ।
12. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव सेवी संस्थाओं से संपर्क एवं समन्वय।
13. महत्वपूर्ण दिवसों पर कार्यक्रमों का आयोजन, फंडरेजिंग।

## छत्तीसगढ़ स्तर पर यूथ रेडक्रॉस संगठन :-

यूथ रेडक्रॉस की समस्त गतिविधियों का संचालन तथा मार्गदर्शन राज्य स्तर पर गठित 3 छत्तीसगढ़ यूथ रेडक्रॉस समिति 4 द्वारा की जायगी जिसके संरक्षक माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ तथा अध्यक्ष माननीय शिक्षा मंत्री होंगे।

1. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ मुख्य – संरक्षक

2. शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़–अध्यक्ष

3. चेयरमेन, प्रबंध समिति, भारतीय रेडक्रास सोसायटी, छत्तीसगढ राज्य शाखा, रायपुर–उपाध्यक्ष

4. महामहिम राज्यपाल द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय के कुलपति–सदस्य

5. कमिश्नर, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ– सदस्य

6. एन.सी.सी. के राज्य स्तरीय अधिकारी–सदस्य

7. एक शासकीय कन्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रतिनिधि–सदस्य

8. एक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रतिनिधि–सदस्य

9. एक स्नातक महाविद्यालय के प्राचार्य–सदस्य

10. एक स्नातक कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य–सदस्य

11 महामहिम द्वारा मनोनीत राज्य के एक प्रख्यात समाज सेवी–सदस्य

12. प्रमुख गैर सरकारी स्वयं सेवी संस्था का एक प्रतिनिधि –सदस्य

13. सचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा–सदस्य/सचिव

यूथ रेडक्रॉस की राज्य स्तरीय शीर्ष समिति यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों के निर्धारण तथा संचालन के साथ ही महाविद्यालयीन स्तर पर किए गए कार्यों की समीक्षा कर सकेगी तथा दूसरे आधार पर इन्हें पुरष्कृत किए जाने का निर्णय भी ले सकेगी

# BEST PRACTISE

1. पर्यावरण संवर्धन एवं जागरूकता महाविद्यालय में पर्यावरण संवर्धन अंतर्गत विभिन्न प्रकार के प्रयास निरंतर किये जाते है। महाविद्यालय परिसर में स्थित विभिन्न पेड़—पौधों के संवर्धन और संरक्षण हेतु छात्र—छात्राओं के द्वारा सामूहिक कार्य किये जाते है। स्नातक कार्यक्रम में पर्यावरण अध्ययन के रूप में छात्र—छात्राओं के पर्यावरण पाठ्यक्रम समाहित है। असाईनमेंट और प्रोजेक्ट कार्य के रूप में छात्र—छात्राओं को पर्यावरण से संबंधित कार्य सौंपे जाते है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। पर्यावरण अध्ययन के छात्र—छात्राएं अपने—अपने सेमेस्टर में महाविद्यालय के परिसर के पेड़—पौधों की लेवलिंग, साफ—सफाई, खाद तथा पानी देना एवं अन्य जानवरों से रक्षा करने व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप से जिम्मेदारी लेते है। महाविद्यालय के प्राध्यापक भी छात्रों के समूह का नेतृत्व करते है तथा सक्रियता पूर्वक छात्र—छात्राओं को मार्गदर्शन करते है। महाविद्यालय के छात्र—छात्राओं द्वारा पर्यावरण के प्रति जन—जागरूकता कार्यक्रम आस—पास के गाँवों में करते है तथा वृक्षारोपण भी करते है। महाविद्यालय के नव—प्रवेशित छात्र—छात्राओं को उस पौधे को रोपने, बचाने तथा संवर्धित करने का दायित्व देते है। महाविद्यालय को प्लास्टिक मुक्त कैम्पस के रूप में विकसित करने हेतु महाविद्यालय परिसर में प्लास्टिक के बोतल, थैलियाँ तथा अन्य पैकिंग के वस्तुएँ प्रतिबंधित है। महाविद्यालय में ऊर्जा संरक्षण हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संदेश देते हुए प्रत्येक कक्षा में Energy Monitor का मनोनयन होता है जो उक्त कक्षा के ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। महाविद्यालय के आस पास उपस्थित पेड़ पौधो की देख रेख के लिये प्रत्येक वर्ष इको क्लब का गठन किया जाता है जिसमें छात्र—छात्राएँ स्वेच्छानुसार भाग लेते हैं। महाविद्यालय में ऊर्जा—दिवस, पर्यावरण

## 2. कौशल विकास कार्यक्रम

इलेक्ट्रक उपकरणों के रख–रखाव तथा उनके मरम्मत हेतु कार्यशाला आयोजित होते है। भौतिकी विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ संयुक्त रूप से कार्यशाला आयोजित करते है, जिसमें छात्र–छात्राएँ विद्युत उपकरणों के सुधार में उपयोग होने वाले छोटे–छोटे और सरल औजारों का उपयोग सीखते है। शार्ट सर्किट, विद्युत झटके तथा आकाशीय बिजली से बचने के सावधानियाँ और उपायो का व्यावहारिक ज्ञान छात्र–छात्राओं द्वारा ग्रहण किया जाता है। स्विच बोर्ड्स बनाना, पंखे लगाना, टी.वी. के सिग्नल मिलाना तथा कूलर आदि के मरम्मत पर कार्यशाला आयोजित छात्र–छात्राओं में कौशल विकास

कराया जाता है ताकि वे जीविकोपार्जन कर सकें। NEP 2020 के अनुसार सभी स्नातक कार्यक्रमों में एक कौशल विकास कोर्स को शामिल किया गया है। NEP 2020 के लक्ष्य को ध्यान के रखते हुए कौशल विकास हेतु प्रयास किये जाते है।

........................................................................................................................................

# //स्थायी प्रकोष्ठ//

| क्र. | प्रकोष्ठ/समिति का नाम | संयोजक/प्रभारी | सदस्य | संक्षिप्त कर्त्तव्य/कार्य |
|---|---|---|---|---|
| 01 | संस्थागत विकास योजना एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ (Institutional Development Plan and Assessment Cell) (नैक समिति, योजना एवं विकास समिति इस प्रकोष्ठ में समाहित होंगे) | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद सहा.प्रा. (अंग्रेजी) | | • महाविद्यालय के विकास संबंधित लघु, मध्यम एवं दीर्घ उददेश्यों पर आधारित संस्थागत विकास योजना (Annual] Five Year and/or 15 Year Plan)<br>• तैयार करना संस्थागत विकास योजना के अनुरूप कार्य प्रगति एवं क्रियान्वयन करना।<br>• महाविद्यालय में IIC (Institution's Innovation Council) स्थापित करना तथा भारत सरकार के दिशा निर्देशो के के अनुरूप संस्था की प्प्ब पंजीकरण सुनिश्चित कर उसके अनुरूप कार्य करना।<br>• संस्थान, शिक्षक एवं छात्र मूल्यॉकन के लिये नीति तैयार करना तथा उसके अनुरूप सतत् मूल्यांकन करना।<br>• महाविद्यालय का NIRF (National Institution Ranking Framework) rFkk ARIIA (Atal Ranking of Institution on Innovation Achievement) में निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप कार्य संपादित करना।<br>• महाविद्यालय का नैक द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया में IQAC को परामर्श एवं सहयोग प्रदान करना।<br>• महाविद्यालय को नैक से बेहतर ग्रेड प्राप्त करने हेतु अकादमिक एवं प्रशासनिक रूपरेखा तैयार कर क्रियान्वयन करना।<br>• नैक पीयर टीम द्वारा प्रदत्त अनुशंसाओं पर क्राइटेरियावार योजना बनाकर अमल करना।<br>• महाविद्यालय का SWOC विश्लेषण करते हुये गुणवत्ता उन्नयन की कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन करना |
| 02 | शैक्षणिक उन्नयन, शिक्षा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ (Academic Up gradation Teacher Training And Research Developm19t Cell) (शोध विकास समिति, आई.सी.टी. समिति, अकादमिक योजना समिति इस प्रकोष्ठ में समाहित होंगे) | डॉ. देवादास बंजारे सहा.प्रा. (समाजशास्त्र) | | • महाविद्यालय में शैक्षणिक उन्नयन हेतु नीति/योजना तैयार करना तथा उसके अनुपालन एवं निगरानी सुनिश्चित किया जाना।<br>• महाविद्यालय अंतर्गत संचालित शिक्षण प्रविधि में ICT का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करना एवं सभी शैक्षणिक स्टाफ को ICT में दक्ष करना।<br>• शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का वार्षिक कैलेण्डर तैयार कराना तथा उसके अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।<br>• शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से अवगत कराना।<br>• भविष्य में प्रयोग होने वाली शिक्षण तकनीक से शिक्षकों को लगातार अवगत कराना एवं तत्सम्बन्धित कार्यशालाओं का आयोजन करना।<br>• शोध हेतु उद्योगों/अन्य शिक्षण संस्थानों के साथ अनुबन्ध करना तथा शोध हेतु कार्यशालाओं का आयोजन कर पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत करना।<br>• विभिन्न प्रकार के शोध अनुदान योजनाओं से शिक्षकों/विद्यार्थियो को शोध योजना बनाने हेतु प्रेरित कर सहयोग करना।<br>• उच्च गुणवत्ता के शोध हेतु दिशा–निर्देश तैयार करना एवं शिक्षकों/ विद्यार्थियों के शोध परियोजना बनाने में मदद करना, कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन करना। |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | • विभिन्न शोध अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं को शोधोन्मुखी परियोजनाऐं भेजने हेतु स्टाफ को प्रेरित करना। |
| 03 | ऑनलाईन शिक्षा, शिक्षण पोर्टल एवं अध्ययन सामग्री प्रकोष्ठ (Online Education Teaching portal and Study Material Cell) (एबीसी समिति, ई–लर्निंग समिति इस प्रकोष्ठ में समाहित होंगे) | श्री रितेश गोलछा सहा.प्रा. (भौतिक शास्त्र) | | • महाविद्यालय में ऑनलाइन कक्षाओं के अनुरूप अधोसंरचना व्यवस्थित करना तथा विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमा कक्षाया SWAYAM / NPTEL से विद्यार्थियों को अवगत कराना एवं उसके लिये उन्हें एवं स्टाफ को प्रेरित करना।<br>• शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना तैयार कर प्रशिक्षण आयोजित करना।<br>• विभिन्न विषयों के विषय–वस्तुओं की पाठ्य सामग्री, विडियो लेक्चर तैयार करवाना।<br>• शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अवगत कराना एवं शामिल होने हेतु प्रेरित करना।<br>• संस्थान में ई–लर्निंग पार्क की स्थापना करना तथा संस्था के समस्त कार्यालयीन कार्यों को डिजिटल माध्यम से कराना।<br>• महाविद्यालय का LMS तैयार कर उसका संचालन सुनिश्चित कर पुस्तकालय में प्री–लोडेड टैब्स उपलब्ध करवाना।<br>• अपने क्षेत्रान्तर्गत अथवा संस्था के कैम्पस में पी.पी.पी. के आधार पर ई–सुविधा केन्द्र की स्थापना कर विभिन्न कार्यों हेतु दर निर्धारित करते हुये विद्यार्थियों को न्यूनतम दर पर ई–सुविधा को उपलब्ध कराना (कैन्टीन की तरह) जिससे छात्रों को कम्प्यूटर एवं इंटरनेट की सुविधा प्राप्त हो सकें।<br>• ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के क्रेडिट ट्रांसफर में विद्यार्थियों की सहायता करना।<br>• सभी विद्यार्थियों का अपार आईडी (APAAR) बना हो को सुनिश्चित करना एवं ना होने की स्थिति में उन्हें इस हेतु परामर्श देना। |
| 04 | उद्योग अकादमिक एकीकरण, कौशल / उद्यमिता एवं रोजगार विकास प्रकोष्ठ (Industry Academia Integration Skill/Entrepreneurship and Employment Development Cell) (करियर गाइडेन्स काउसलिंग सेल, प्लेसमेंट सेल , कौशल विकास समिति इस प्रकोष्ठ में समाहित होंगे) | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद सहा.प्रा. (अंग्रेजी) | | • व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के क्षेत्रों की पहचान करना तथा कौशल विकास के लिये स्थानीय उद्योगों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम तैयार करना।<br>• स्थानीय व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के क्षेत्रों से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा ऑनलाईन व्यावसायिक एवं कौशल शिक्षा कोर्स करने के लिये प्रेरित करना / सहयोग प्रदान करना।<br>• माध्यमिक, पॉलीटैक्निक, आई.टी.आई एवं अन्य कौशल / तकनीकी / उद्यमिता संगठन के साथ उच्च शिक्षा का समन्वय स्थापित करना।<br>• संस्था एवं विद्यार्थियों के हित में समझौता ज्ञापन (MoU) का ड्राफ्ट तैयार करना तथा विभिन्न डवन्‍ की क्रियाशीलता सुनिश्चित करना।<br>• व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के प्रायोगिक भाग / इंटेन्शिंप के लिये क्षेत्रीय उद्योगों / संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर MoU करना।<br>• विभिन्न संस्थाओं यथा पोषक शालाओं के साथ लिंकेज, एनजीओ, सामाजिक संस्थाओं एवं उच्च शिक्षण संस्थाओं के साथ कोलबेरेशन तथा राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय महत्व के संस्थाओं के साथ गुणवत्ता उन्नयन हेतु MoU करना। |
| 05 | भारतीय ज्ञान परंपरा, प्रोदशिक देशज संसाधन एवं संस्कृति प्रकोष्ठ | डॉ. देवादास बंजारे सहा.प्रा. (समाजशास्त्र) | | • क्षेत्रीय संस्कृति एवं कला की पहचान कर उन पर कार्यक्रम आयोजित करना तथा क्षेत्रीय संस्कृति एवं कला को पाठ्यक्रम से जोड़ना। |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | (Indain Knowledge System, Regional Indigenous Resources and Cultural Cell) | | | • क्षेत्रीय राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय संस्कृति एवं कला महोत्सवों में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित कराना।<br>• क्षेत्रीय राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय संस्कृति एवं कला महोत्सव समन्वयक के साथ आयोजित करना।<br>• भारतीय भाषा विकास क्लब की स्थापना करना तथा इससे विभिन्न भारतीय भाषा जानने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जोड़ना।<br>• विद्यार्थियों को विभिन्न भारतीय भाषाओं के ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से सीखने में सहायता करना।<br>• भारतीय ज्ञान परंपराध्देशज संसाधनों पर कार्यशाला/संगोष्ठी/आमंत्रित वक्तव्य आयोजित करना।<br>• विभिन्न विधाओं के कला गुरूओं को आमंत्रित कर विद्यार्थियों के कलात्मक कौशल को निखारना। |
| **06** | विद्यार्थी सहायता मेन्टरिंग एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ (Student Support, Mentoring and Psychological counsel Cell) (छात्र कल्याण, दिव्यांगजन सहयोग समिति, परामर्शदात्री समिति इस प्रकोष्ठ में समाहित होंगे) | श्री रितेश गोलछा<br>सहा.प्रा.<br>(भौतिक शास्त्र) | | • वंचित समूहों एवं दिव्यांगो के लिय हेल्प डेस्क की स्थापना करना तथा उनको संस्था की विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभागिता हेतु प्रेरित करना।<br>• वंचित समूहों एवं दिव्यांगो के लिये चल रही योजनाओं से उन्हें अवगत कराना तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में उनकी सहायता करना।<br>• दिव्यांगो के लिये निर्धारित मानकों का अमल करना एवं तद्नुसार उन्हें उपलब्ध सुविधाऐं मुहैया करना।<br>• महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिये मनोवैज्ञानिक परामर्श की कार्यशालायें आयोजित कर मनौवैज्ञानिक समस्याओं से जूझ रहे विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य हेतु सहयोग करना तथा उनके परिवार को अवगत कराना।<br>• महाविद्यालय की मेन्टर मेन्टी पॉलिसी तैयार करना तथा उसका क्रियान्वयन करना।<br>• विद्यार्थियों के लिये व्यक्तित्व विकास, साफ्ट स्किल्स, एडवरसिटी स्किल्स, इंटरव्यू स्किल्स, लाइफ स्किल्स, प्रोफेशनल्स स्किल्स, आंत्रोप्रेन्यूर/इंटर्नशिप स्किल्स पर कार्यशाला आयोजित करना। |
| **07** | संस्थागत गतिविधियॉ शैक्षणिक प्रदर्शन एवं प्रसारण प्रकोष्ठ (Institutional Activity, Academic Performence Cell) (सूचना एवं प्रकाशन समिति/ प्रकोष्ठ, शैक्षणेत्तर गतिविधियॉ समिति, सांस्कृतिक समिति, पर्यावरण समिति, रचनात्मक गतिविधियॉ समिति, विभिन्न ऑडिट संबंधी समिति इसी में समाहित होंगे।) | श्री तीरथ राम कपूर<br>सहा. प्रा.<br>(राजनीति विज्ञान) | | • महाविद्यालय मे विभिन्न प्रकार की गतिविधियों आयोजित करना तथा संस्था के विद्यार्थियों को क्षेत्रीय राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रही गतिविधियों में प्रतिभागिता हेतु प्रेरित करना।<br>• सामुदायिक सेवा हेतु योजना तैयार करना तथा संस्था के विद्यार्थियों को सामुदायिक सेवा के लिये प्रेरित करना।<br>• संस्थान द्वारा किसी एक पोषक विद्यालय को क्रमिक अकादमिक अविवृद्धि हेतु गोद लेकर उसके विकास में सहायता करना।<br>• पर्यावरण जागरूकता एवं संरक्षण अभियान चलाकर विद्यार्थियों /स्थानीय लोगो को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना।<br>• महाविद्यालय का वार्षिक अकादमिक ऑडिट, ग्रीन ऑडिट, एनर्जी ऑडिट एवं एनवॉरयमेंट ऑडिट कराना एवं उसे वेबसाईट पर अपलोड करना।<br>• महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण (रेन वाटर हार्वेस्टिंग अक्षय ऊर्जा, वर्मीकम्पोट, जल संरक्षण, पेपर री–साईक्लिंग आदि) के उपाय करना। |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | • महाविद्यालय में क्रिएटिव कॉर्नर स्थापित कर विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रदर्शित करना।<br>• महाविद्यालयों में पठन एवं लेखन क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों को लेखन कला में समृद्ध करना।<br>• पर्यावरण क्लब के माध्यम से ''एक विद्यार्थी एक पेड़'' योजना अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को एक पेड़ गोद लेने हेतु प्रेरित कर पेड़ो का सरक्षण करना।<br>• महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिये भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करना विद्यार्थी भ्रमण के लिये विभिन्न सरकारी /गैर–सरकारी योजनाओं से छात्रों को अवगत कराना तथा उसका लाभ लेना।<br>• महाविद्यालय के बेस्ट प्रैक्टिसेस को चिन्हित कर उनका समग्र रूप से विकास करना। |

## //संवैधानिक समिति//

| क्र. | प्रकोष्ठ/समिति का नाम | संयोजक/प्रभारी | सदस्य | संक्षिप्त कर्त्तव्य/कार्य |
|---|---|---|---|---|
| 01 | स्टॉफ कॉउंसिल | अध्यक्ष – डॉ. समीक्षा चंद्राकर<br>सचिव – डॉ. देवादास बंजारे | समस्त नियमित प्राध्यापकगण | कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय ब्लॉक–30, द्वितीय एवं तृतीय तल इंद्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर का पत्र क्रमांक 812/233/आउशि/गु.प्र./2025 नवा रायपुर, दिनांक 19/06/2025 में दिये निर्देशानुसार |
| 02 | जनभागीदारी समिति | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद | | |
| 03 | आई.क्यू.ए.सी. | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद | श्री रितेश गोलछा<br>डॉ. अलका कौशिक | |
| 04 | अनुशासन एवं एंटी रैगिंग समिति | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद | डॉ. देवादास बंजारे | |
| 05 | शिकायत निवारण समिति | श्री रितेश गोलछा | | |
| 06 | छात्रवृत्ति समिति | डॉ. अलका कौशिक | श्री परमानंद यादव | |
| 07 | अजा/अजजा समिति | श्री तीरथ राम कापूर | | |
| 08 | क्रय समिति | श्री तीरथ राम कापूर | श्री देवादास बंजारे<br>श्री रितेश गोलछा<br>श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद<br>डॉ. अलका कौशिक<br>मो. इम्तियाज सिद्दीकी | |
| 09 | महिला उत्पीड़न समिति | डॉ. अलका कौशिक | | |

## //सामान्य समिति//

| क्र. | प्रकोष्ठ/समिति का नाम | संयोजक/प्रभारी | सदस्य | संक्षिप्त कर्त्तव्य/कार्य |
|---|---|---|---|---|
| 01 | प्रवेश समिति | श्री रितेश गोलछा | | कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय ब्लॉक–30, द्वितीय एवं तृतीय तल इंद्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर का पत्र क्रमांक 812/233/आउशि/गु.प्र./2025 नवा रायपुर, दिनांक 19/06/2025 में दिये निर्देशानुसार |
| 02 | परीक्षा समिति | श्री रितेश गोलछा | | |
| 03 | एनईपी 2020 क्रियान्वयन समिति | डॉ. देवादास बंजारे | श्री रितेश गोलछा<br>श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद | |
| 04 | समय–सारणी समिति | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद | | |
| 05 | एल्युमनी समिति | श्री तीरथ राम कपूर | | |
| 06 | ग्रंथालय समिति | श्री तीरथ राम कपूर | | |
| 07 | परिसर रखरखाव समिति | डॉ. अलका कौशिक | | |
| 08 | अपलेखन समिति | डॉ. अलका कौशिक | श्री तीरथ राम कपूर,<br>श्री बलराम नागवंशी | |
| 09 | सायकल स्टैण्ड समिति | डॉ. देवादास बंजारे | | |

## अन्य महत्वपूर्ण समिति

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | वेबसाइट समिति | डॉ. अलका कौशिक | कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय ब्लॉक–30, द्वितीय एवं तृतीय तल इंद्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर का पत्र क्रमांक 812/233/आउशि/गु.प्र./2025 नवा रायपुर, दिनांक 19/06/2025 में दिये निर्देशानुसार |
| 2 | एन.एस.एस. | डॉ. देवादास बंजारे | |
| 3 | इंडियन यूथ रेडक्रास सोसायटी | डॉ. देवादास बंजारे | |
| 4 | रेड रिबन क्लब | डॉ. देवादास बंजारे | |
| 5 | छात्रा कॉमन कक्ष | डॉ. अलका कौशिक | |
| 6 | क्रीड़ा समिति | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद | |

## //विभागाध्यक्ष//

| क्र. | संकाय का नाम | |
|---|---|---|
| 01 | विज्ञान संकाय | श्री रितेश गोलछा |
| 02 | वाणिज्य संकाय | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद |
| 03 | कला संकाय | श्री तीरथ राम कपूर |

## शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची

| क्रमांक | शैक्षणिक/गैर शैक्षणिक | कर्मचारी का नाम | पदनाम | संकाय | मो. नंबर |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | शैक्षणिक | डॉ. देवादास बंजारे | सहायक प्राध्यापक समाज शास्त्र | कला संकाय | |
| 2 | | श्री रितेश गोलछा | सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र | विज्ञान संकाय | |
| 3 | | श्री कमलेश्वर प्रसाद निषाद | सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी | कला संकाय | |
| 4 | | श्री तीरथ राम कपूर | सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान | कला संकाय | |
| 5 | | डॉ. अलका कौशिक | सहायक प्राध्यापक | विज्ञान संकाय | |
| 6 | | डॉ मोहन सिंह | अतिथि सहायक प्राध्यापक भूगोल | कला संकाय | |
| 7 | | श्रीमती ममता देवांगन | अतिथि सहायक प्राध्यापक भूगोल | कला संकाय | |
| 8 | | कु. देवश्री कुर्रे | अतिथि सहायक प्राध्यापक हिन्दी | कला संकाय | |
| 9 | | कु. दविन्दर कौर | अतिथि सहायक प्राध्यापक वाणिज्य | वाणिज्य संकाय | |
| 10 | | डॉ. रूबीना भारद्वाज | अतिथि सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र | विज्ञान संकाय | |
| 11 | | श्री सतप्रीत सिंह गुरूदत्ता | अतिथि सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र | विज्ञान संकाय | |
| 12 | | श्रीमती अंजलि देवांगन | अतिथि सहायक प्राध्यापक गणित | विज्ञान संकाय | |
| 13 | | कु.उर्वशी चंद्राकर | अतिथि सहायक प्राध्यापक जंतु विज्ञान | विज्ञान संकाय | |
| | | श्री यश कांकरिया | अतिथि सहायक प्राध्यापक वाणिज्य | वाणिज्य | |
| | | श्री बलराम नागवंशी | प्रयोगशाला तकनीशियन | | |
| | | सुश्री पूजा बम्हभट्ट | प्रयोगशाला तकनीशियन | | |
| .14 | गैर शैक्षणिक | डॉ. भूलेश्वरी साहू | अतिथि ग्रंथपाल | | |
| | | मो. इम्तियाज सिद्दीकी | मुख्य लिपिक | | |
| | | सुश्री नेहा साहू | प्रयोगशाला परिचारक | | |
| | | श्री पवेन्द कुमार साहु | प्रयोगशाला परिचारक | | |
| | | श्री कोमल राम निषाद | कम्प्यूटर ऑपरेटर | | |
| | | श्री परमानंद यादव | कम्प्यूटर ऑपरेटर | | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | श्री हीरा सिंह नेताम | भृत्य | | |
| | | श्री तेजराम सोनवानी | स्वीपर | | |
| | | श्रीमती प्रतिभा निषाद | स्वीपर | | |
| | | श्री मति आंगेश्वरी | स्वीपर | | |

## Department of Arts

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |
| DR. DEVADAS BANJARE<br>Asst. Prof.<br>SOCIOLOGY | MR. KAMLESHWAR PRASAD NISHAD<br>Asst. Prof. ENGLISH | MR. TIRATH RAM KAPOOR<br>Asst. Prof.<br>POLITICAL SCIENCE | Miss DEVSHREE KURRE<br>Asst. Prof.<br>HINDI | Mrs. MAMTA DEWANGAN<br>Asst. Prof.<br>GEOGRAPHY | DR. MOHAN SINGH<br>Asst. Prof.<br>GEOGRAPHY |

## Department of Commerce

| | | | |
|---|---|---|---|
| | MR. YASH KANKARIYA<br>Asst. Prof.<br>COMMERCE | | Miss Davindar Kaur<br>Asst. Prof.<br>COMMERCE |

## Department of Science

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |
| MR. RITESH GOLCHHA<br>Asst. Prof. PHYSICS | DR. ALKA KAUSHIK<br>Asst. Prof. BOTANY | Miss URWASHI CHANDRAKAR<br>Asst. Prof. ZOOLOGY | MR. SATPRIT SINGH GURUDATTA<br>Asst. Prof. CHEMISTRY | Mrs ANAJLI DEWANGAN<br>Asst. Prof. MATHEMATICS | DR. RUBINA BHARDWAJ<br>Asst. Prof. CHMISTRY |

## Other Staffs

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |
| M.I. SIDDIQUI<br>ASST. GRAD-1 | MR. BALRAM NAGWANSHI<br>LAB TECH. | Miss POOJA BRAMHBHATT<br>LAB TECH. | Miss NEHA SAHU<br>LAB ATTEDANT | MR. HIRA SINGH<br>PEON | MR. PAWENDRA KUMAR<br>JBS LAB FACULTY |
| | | | | | |
| MR. PARMANAND YADAW<br>JBS COMPUTER OPERATOR | MR. KOMAL RAM NISHAD<br>JBS FACULTY | MR. TEJRAM SONVANI<br>JBS FACULTY | Mrs. PRATIBHA NISHAD<br>JBS FACULTY | Mrs. AGESHWARI<br>JBS FACULTY | |

## College Photo Gallery:

Agriculture college educational visit

National Science Day Celebration

First Aid training workshop

Quiz Competition

Speech by Head Constable of Fingeshwar thana on Woman's Day

International Woman's Day Celebration

Poshak School Sampark Abhiyan

Induction Program 2024-25

World Water Day Celebration

Rangoli Competition

Annual Day Guest From Govt.

Vasant Panchami Celebration

Republic Day Celebration

| Rajivlochan College | | |
|---|---|---|
| | | |
| Inspection visit | Annual Sports activity | Model Making Competition |
| | | |
| Gau Sewa Exam | Teachers Day Celebration | Tobacco control program |
| | | |
| Blood Donation Camp | Janjati Workshop | Constitution Day Celebration |
| | | |
| Annaul Fuction | NAAC AQAR Submission | Yoga Program |
| 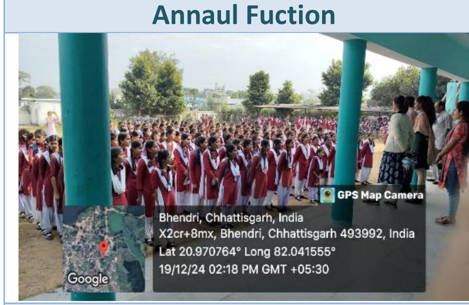 | 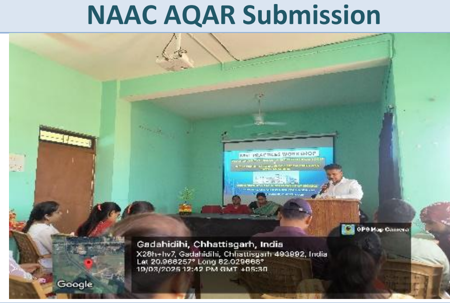 | |
| Poshak School Visit | Awareness Program about short circuit and electric shock for student | |
| | | |

# राष्ट्रीय युवा दिवस पर फिंगेश्वर में स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन, निकाली गई रैली

अंकुर पहाड़िया,फिंगेश्वर

अमृत संदेश | फिंगेश्वर

राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 एवं स्वामी विवेकानंद की 163 वीं जयंती के अवसर पर स्वयं को जगाएं, विश्व को प्रभावित करें थीम के तहत फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर में स्वदेशी संकल्प दौर, स्वदेशी रैली एवं स्वदेशी प्रतिज्ञा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम कार्यकारी प्राचार्य डॉ देवादास बंजारे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना, इंडियन यूथ रेडक्रॉस, रेड रिबन क्लब तथा छात्र-छात्राओं के सहयोग से संपन्न हुआ। डॉ बंजारे ने युवाओं से स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। 03 किमी स्वदेशी संकल्प दौड़ के बाद स्वामी विवेकानंद प्रतिमा स्थल तक रैली निकाली गई, जिसमें स्वदेशी अपनाने के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी उत्पादों के उपयोग और जिम्मेदार नागरिक बनने की स्वदेशी प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, स्वयंसेवक एवं स्टाफ उपस्थित रहे। जानकारी मीडिया प्रभारी कृति सिन्हा एवं हेमशरण नेताम ने दी।

---

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Ratan Bhoomi - 30 Dec 2025 - Page 3

# नेमन का दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फिंगेश्वर

रासेयो के सक्रीय स्वयंसेवक नेमन साहू का आरडीसी–2026, कर्तव्य पथ,नई दिल्ली के लिए हुआ चयन,जिले के इतिहास में विश्वविद्यालय की ओर से एकमात्र स्वयंसेवक जो राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा

फणिके"वर नाथ शासकीय महाविद्यालय ऊफगे"वर के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के सक्रीय स्वयंसेवक नेमन साहू का राष्ट्रीय सेवा योजना के रिपब्लिक डे कैंप (आरडीसी)–2026, नई दिल्ली के लिए चयन हुआ है जो बी.ए.तृतीय सेमेस्टर के छात्र है तथा ग्राम बहेरपाल निवासी संतोष राम साहू के सुपुत्र है।ज्ञात हो कि एनएसएस आरडीसी–2026 का आयोजन 01 जनवरी से 31 जनवरी तक नई दिल्ली में किया जाएगा।इस दौरान चयनित स्वयंसेवक कर्तव्य पथ पर आयोजित भव्य परेड में भाग लेंगे और महामहिम राष्ट्रपति को सलामी देंगे।आरडीसी के लिए पूरे देश से लगभग 200 एनएसएस स्वयंसेवकों का चयन होता है,जिनमें से 148 स्वयंसेवक ही परेड में सम्मिलित होते हैं।आरडीसी में वही स्वयंसेवक चयनित होते हैं, जिन्होंने एनएसएस के माध्यम से सामाजिक सेवा,अनुशासन और नेतृत्व में उत्कृष्ट कार्य किया हो। इस उपलब्धि पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के एनएसएस समन्वयक प्रो.एल.एस.गजपाल ने कहा कि आरडीसी–2026 के लिए नेमन साहू का चयन उनके सतत सेवा कार्य,अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।रासेयो यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे के नेतृत्व में संस्था में एनएसएस गतिविधियों को सशक्त दिशा मिली है।विद्याथियों को सेवा,राष्ट्रनिर्माण और नेतृत्व के लिए प्रेरित करने में कार्यक्रम अधिकारी की भूमिका अत्यंत प्रेरणादायी रही है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे ने आगे बताया कि जिले के इतिहास में पहली बार इस भव्य गणतंत्र दिवस परेड, कर्तव्य पथ नई दिल्ली में हमारे यूनिट का एकमात्र स्वयंसेवक है जो विश्वविद्यालय एवं राज्य का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान एवं गौरव प्राप्त हुआ है जो उनकी कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। एक छोटे से गांव से निकलकर गणतंत्र दिवस परेड तक का इनका सफ़र हर इच्छुक वॉलंटियर के लिए एक प्रेरणा है। ऐसे ही चमकते रहें और हमारे रासेयो प्रकोष्ट का नाम रोशन करते रहे,यही हम कामना करते है।आज टंकराम वर्मा,मंत्री,उच्च शिक्षा विभाग,डॉ.संतोष कुमार देवांगन,आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग,डॉ.नीता बाचपेयी,राज्य एनएनएस अधिकारी, डॉ.एल.एस. गजपाल, कार्यक्रम समन्वयक एवं डॉ. समीक्षा चंद्राकर, प्रभारी प्राचार्य सह जिला संगठक की उपस्थिति में समरूपता हेतु ट्रैक सूट मंत्री छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के कर कमलों से प्रदान किया गया एवं शिविर सहभागिता पूर्व सौजन्य भेंट भी किया गया। परेड हेतु हाणदक शुभकामनाएँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया गया।

---

नवभारत छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Baloda Bazar - 26 Dec 2025 - 26balb3
epaper.navabharat.news

# रासेयो के स्वयंसेवक दे रहे लोगों को राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार की जानकारी

**फिंगेश्वर।** राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर डिजिटल न्याय के साथ सक्षम और त्वरित निष्पादन थीम पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर के स्वयंसेवकों द्वारा आम नागरिकों को डिजिटल लेनदेन और ई-कॉमर्स से जुड़ी चुनौतियों के लिए तैयार करने तथा जिम्मेदार खरीदारी और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देने प्रचार-प्रसार एवं अधिकारों से जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा स्थानीय समुदायों को ई-जाग्रति पोर्टल और राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1800-11-4000) के बारे में शिक्षित कर रहे है, ताकि वे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करना सीख सकें। उपभोक्ता जागरूकता और जागो ग्राहक जागो जैसे विषयों पर पोस्टर और नारे बनाकर ग्राहकों को समझाया गया। डिजिटल उपभोक्ता सुरक्षा, भ्रामक विज्ञापन और ई-कॉमर्स धोखाधड़ी जैसे विषयों पर चर्चा और प्रश्नोत्तरी के माध्यम से कॉलेज परिसर एवं सार्वजनिक स्थानों पर खरीदारी के दौरान होने वाली धोखाधड़ी और अधिकारों के प्रति सचेत करने के लिए लघु नाटकों का मंच किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों के स्थानीय समूहों तथा ग्राम पंचायत भवन (पंचायत घर), बड़ा पेड़ (चैपाल), स्कूल परिसर, आंगनवाड़ी केंद्र, मंदिर परिसर, सामुदायिक हॉल खुला मैदान पर जाकर लोगों से मिलकर जागरूक करने का प्रयास किया गया। यह जानकारी दल नायिका सोहद्रा सिन्हा एवं विनिशा साहू ने दी।

---

# फणीकेश्वरनाथ कॉलेज के रासेयो छात्रों ने बच्चों को पिलाई पोलियों की दवाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फिंगेश्वर

पोलियो का अंत करें हर बच्चा, हर टीका, हर जगह'' थीम पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना, इंडियन यूथ रेडक्रॉस प्रकोष्ठ, रेड रिबन क्लब, फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय-फिंगेश्वर तथा स्वास्थ्य विभाग, जिला गरियाबंद के सयुंक्त तत्वाधान एवं बैनर तले स्वयं सेवकों के सहयोग से हर बच्चे तक टीका पहुंचाने और वैश्विक उन्मूलन के लिए एकजुट होकर प्रयास किया जा रहा है।

इसके साथ ही अभियान के तहत हर बूंद मायने रखती है, हर बच्चा मायने रखता है। जैसे दीवाल लेखन एवं नारे का भी उपयोग किए जा रहे हैं, ताकि कोई भी बच्चा छूटे नहीं और भारत पोलियो मुक्त रहे। स्वयंसेवकों द्वारा अपने गृह ग्राम तथा आश्रित ग्राम में घ-घर जाकर 5 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने प्रेरित कर रहे है तथा भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में विशेष पहल कर रहे है।कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे ने इस संबंध बताया कि पल्स पोलियो कार्यक्रम 2025 भारत में 0–5 साल के बच्चों को पोलियो की दो बूंदें पिलाने का एक राष्ट्रीय अभियान है,जो मुख्य रूप से 21दिसंबर 2025 से शुरू हुआ है,जिसके बाद छूटे हुए बच्चों के लिए मॉप-अप दिवस के रूप में 22–23 दिसंबर घर–घर जाकर टीकाकरण किया गया जायेगा,जिसका उद्देश्य देश को पोलियो-मुक्त रखना और यह सुनिश्चित करना है कि कोई बच्चा छूटे नहीं। इस अभियान से जुड़े पंजीकृत सभी स्वयंसेवक पोलियो मुक्त भारत के लिए विशेष पहल कर रहे है।

---

# फिंगेश्वर कॉलेज में एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला हुआ

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फिंगेश्वर

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण पत्र, सम्मान एवं पुरस्कार मै नहीं, बल्कि आप थीम पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय-फिंगेश्वर के बैनर तले एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सह कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के सेमिनार हाल में किया गया। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय सेवा योजना मैनुअल 2006 के अनुसार रासेयो के विभिन्न क्रियाकलापों, स्वयंसेवको को कार्य–दैनन्दिनी संपादित करने के तरीके एवं विभिन्न रासेय शिविरों व प्रमाण–पत्रें तथा सी-प्रोजेक्ट परियोजना फाइल संधारण करने के संबंध में विशेष परिचर्चा पीपीटी,वीडियो प्रस्तुतीकरण के माध्यम किया गया।स्वयंसेवकों को बी,सी, राजकीय, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर के सर्टिफिकेट अवार्ड के बारे आवश्यक आधारभूत जानकारी दी गई एवं सी प्रतिवेदन प्रोजेक्ट से सम्बंधित विभिन्न प्रारूपो व पहलुओं पर बिंदुवार परिचर्चा किया गया।रासेयो अंतर्गत मुख्यतः स्वयंसेवको को दो प्रकार के गतिविधियो में भाग लेना होता है।

एक नियमित गतिविधि एवं दूसरा विशेष शिविर कार्यक्रम।नियमित गतिविधि मूलतः स्वयंसेवको की उन्मुखीकरण, कैंपस कार्य एवं समुदाय कार्य के रूप में सम्पादित करना होता है।सामुदायिक कार्य के रूप में संस्थागत कार्य जैसे– महिला,वृध्दजन,बच्चे एवं दिव्यांगजनों का हित,सा माजिक समस्या, पर्यावरण, सामाजिक तनाव,स्वास्थ्य, शिक्षा,स्वच्छता इत्यादि से सबंधित गतिविधिया निहित होते है।मुख्य वक्ता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे में अपने वक्तव्य में कहा कि रासेयो का उद्देश्य सहयोगात्मक क्रियाकलापों के द्वारा शिक्षा को वर्तमान स्थिति के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना है।स्वयंसेवकों को ग्रामीण स्थिति से रूबरू कराना है, ताकि समुदाय का वास्तविकता की पहचान हो सके तथा छात्र–छात्रओं में अव्यक्त क्षमताओं की खोज करके उनमे नेतृत्व के गुणों का विकास कर सके,श्रम और स्व–सहायता की गरिमा बना रहे तथा युवाओं को राष्ट्रीय प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।कार्यक्रम के अंत में स्वयंसेवको द्वारा प्रोजेक्ट कार्य के दौरान आने वाले समस्याओ तथा उनके द्वारा पूछे गए संशयात्मक सवालो का निराकरण कार्यक्रम के दौरान किया गया।

---

मानवाधिकार, हमारी दैनिक आवश्यकताएं विषय पर पैरा लिगल वालंटियर्स और एनएसएस की विशेष पहल

# पैरा लिगल वालंटियर्स ने फणीकेश्वरनाथ कालेज में मनाया मानवधिकार दिवस

**फिंगेश्वर।** 10 दिसंबर को मानव अधिकार दिवस के अवसर पर मानवाधिकार, हमारी दैनिक आवश्यकताएं विषय पर पुलिस विभाग के पैरा लिगल वालंटियर्स थाना फिंगेश्वर, राजिम, पाण्डुका, छुरा व गोबरा नवापारा तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर छत्तीसगढ़ के सहयोग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर के बैनर तले विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भारत सरकार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएच आर सी) निर्देशानुसार एवं प्रभारी प्राचार्य सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ.देवादास बंजारे के नेतृत्व में पैरा लिगल वालंटियर्स द्वारा छात्र–छात्राओं एवं स्वयंसेवकों को व्यक्तियों को मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध होने का अवसर देने मानवाधिकार दिवस की शपथ दिलाई गई।

भारत के संविधान के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखने, मानव अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये अपने सभी कर्तव्यों का पालन करने, बिना किसी भेदभाव के सभी लोगों के मानव अधिकारों का सम्मान एवं समर्थन करने,चाहे उनकी जाति, नस्ल, लिंग, आयु, लैंगिक रुझान, योग्यता, राष्ट्रीयता या अन्य कोई भी पहचान हो तथा दूसरों के साथ सम्मान,आदर और करुणा का व्यवहार करने की प्रतिज्ञा ली गई। कार्यक्रम की अगली कड़ी में वालंटियर्स द्वारा मानव अधिकार से जुड़े तमाम टोल फ्री नंबरों का उपयोग करने एवं प्रसार करने छात्र छात्रओं को प्रेरित किया गया, जिससे समाज में आवश्यभावी बदलाव लाया जा सके।

**ये रहे उपस्थित**

इस अवसर पर पुलिस विभाग के पैरा लिगल वालंटियर्स कोमल लिखद (राजिम थाना) विक्रम सोनी (पाण्डुका थाना),टिकेश्वर लिखद (छुरा थाना),प्रेमलाल सिन्हा (गोबरा नवापारा) एवं कमलेश कश्यप (फिंगेश्वर) सहित पूरे महाविद्यालयीन स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहे। उक्त जानकारी दलनायिका विनिशा साहू एवं सोहद्रा सिन्हा ने दी है।

## मानवाधिकार दिवस पर दी बाल सुरक्षा की जानकारी

**अभनपुर।** पूर्व माध्यमिक शाला उल्बा में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर द्वारा एक विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया गया। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और फैकल्टी सदस्यों ने विद्यालय पहुंचकर कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों को मानवाधिकारों एवं बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को बाल शोषण जैसे संवेदनशील विषय से अवगत कराना तथा उन्हें इससे बचाव के उपाय बताना था। इस दौरान एक शिक्षाप्रद वीडियो भी प्रदर्शित किया गया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने शोषण के संकेतों को पहचानने और आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

आईटीएम यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित यह पहल बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। ग्राम पंचायत उल्बा के सरपंच नेहरू लाल साहू ने विश्वविद्यालय के इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए टीम एवं संस्था प्रमुख का आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रमुख रूप से डॉ. जेलिस सुभान,राजीव पांडे,सृष्टि श्रीवास्तव,डॉ. शिवली,श्रीवास्तव,डॉ. दीपाश्री,केपी साहू,यादवराम साहू सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

---

# फणीकेश्वनाथ कालेज में दिव्यांगजनों के हितार्थ छात्रों को शपथ दिलाई गई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फिंगेश्वर

फणीकेश्वरनाथ कालेज फिंगेश्वर में 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर कॉलेज के छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत दिव्यांगजनों का सम्मान करने एवं उनकी सहायता को लेकर विभिन्न बातो का अनुशरण करने शपथ दिलाया गया। इंडियन यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी, रेड रिबन क्लब एवं दिव्यांगजन समिति, फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर के संयुक्त कार्यान्वयन में समाज में सभी दिव्यांगजनों के प्रति सम्मान, गरिमा और संवेदनशीलता बनाए रखने, दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर प्रदान करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने, ताकि वे बिना किसी बाधा के स्वावलंबी जीवन जी सकें। दिव्यांगता से जुड़े मुद्दों के बारे में अपनी समझ को बढ़ावा देने और दूसरों को भी इसके बारे में जागरूक करने, अपने आसपास के वातावरण को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहने, ताकि सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। दिव्यांगजनों के अधिकारों और कल्याण से संबंधित कानूनों और नीतियों का समर्थन करने और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करने, समान अधिकारों और अवसरों के साथ पूर्ण जीवन जी सके का शपथ दिलाया गया। उक्त जानकारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे ने दी। इस विशेष कार्यक्रम में महाविद्यालय के स्टाफ सहित यूजीपीजी के छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे।

---

नवभारत छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Baloda Bazar - 22 Nov 2025 - 22balb4
epaper.navabharat.news

# राष्ट्रीय उद्यमी दिवस पर फणिकेशवर महाविद्यालय में प्रतियोगिता संपन्न

अंकुर पहाड़िया,फिंगेश्वर

**फिंगेश्वर।** राष्ट्रीय उद्यमी दिवस अवसर पर फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय में संस्था प्रमुख डॉ. सविता मिश्रा के निर्देशन तथा प्रभारी प्राचार्य डॉ. देवादास बंजारे के सानिध्य में वाणिज्य विभाग के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ वाणिज्य संकाय के संकाय प्रभारी कमलेश्वर प्रसाद निषाद ने उद्घाटन भाषण में बताया कि आधुनिक युग में उद्यमी सिर्फ व्यवसायी नहीं, बल्कि समस्या समाधानकर्ता और समाज के परिवर्तनकर्ता होते हैं। भौतिक विभाग के सहायक प्राध्यापक रितेश गोलछा ने भारत देश के सफल उद्यमियों से छात्र छात्राओं को अवगत कराते हुए कहा कि कोई भी विचार छोटा नहीं होता, अगर उसे सही मेहनत और साहस के साथ लागू किया जाए। वाणिज्य विभाग के अतिथि सहायक प्राध्यापक सुश्री दविंदर कौर और यश कांकरिया ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। साथ ही छात्र छात्रों ने अपने रचनात्मक विचारों, सामाजिक समाधानों और तकनीकी नवाचारों को प्रस्तुत किया।

इस मौके पर छात्रों ने व्यावसायिक मॉडल, व्यवसाय संबंधी स्टार्टअप मॉडल तथा स्टार्टअप संबंधी विचारों को साझा किया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं का निर्णय महाविद्यालय के अंग्रेजी के सहायक प्राध्यापक कमलेश्वर प्रसाद निषाद, राजनीतिक विज्ञान के सहायक प्राध्यापक तीरथ राम कपूर, वनस्पति विज्ञान की सहायक प्राध्यापक डॉ अलका कौशिक के द्वारा किया गया व्यावसायिक मॉडल में अमीन खान एवं ग्रुप प्रथम, भोज साहू एवं ग्रुप द्वितीय, एवं अर्पिता एवं ग्रुप तृतीय स्थान पर रहे। व्यवसाय संबंधी स्टार्टअप मॉडल में पायल एवं काजल प्रथम स्थान, केश्वरी एवं पूजा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण सतप्रीत सिंह गुरदत्ता, भावना मनहारे, भूलेश्वरी साहू, ममता देवांगन एवं भावना मनहरे उपस्थित थे। संस्था प्रमुख डॉ. सविता मिश्रा ने सभी प्राध्यापकगणों एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनायें दी।

---

# विश्व खाद्य दिवस पर महाविद्यालय में 'पौष्टिक आहार प्रदर्शनी एवं चार्ट प्रतियोगिता

अंकुर पहाड़िया
फिंगेश्वर

**गरियाबंद/फिंगेश्वर( गंगा प्रकाश )।** -विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर) के अवसर पर फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय फिंगेश्वर में संस्था प्रमुख डॉ. सविता मिश्रा के निर्देशन में वनस्पति विभाग, रसायन शास्त्र विभाग एवं प्राणीशास्त्र विभाग के सामूहिक तत्वाधान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों में पौष्टिक आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियाँ कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वनस्पति विभाग की प्रमुख डॉ. अलका कौशिक के द्वारा उद्घाटन भाषण से किया गया जिसमे उन्होंने इस वर्ष की थीम-हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर को समझते हुए पौष्टिक आहार की थाली में आने वाले स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों के बारे में विस्तार से बताया। सुश्री उर्वशी चंद्राकर (सहा. प्राध्यापक प्राणिशास्त्र) के द्वारा विद्यार्थियों को बैलेंस डाइट की कमी से होने वाले रोग के बारे में विस्तार से बताया। रसायन शास्त्र विभाग के सहा. प्राध्यापक श्री सतप्रीत सिंह गुरुदत्ता के द्वारा विभिन्न फलों और सब्जियों में उपस्थित रसायनों के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा ॥पौष्टिक आहार की थाली॥ की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें संतुलित आहार के सभी तत्वों और घटकों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही ॥फलों में पाए जाने वाले रसायन एवं उनके प्रभाव॥ तथा एक प्लेट संतुलित आहार विषय पर चार्ट निर्माण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने रचनात्मक तरीके से फलों में उपस्थित रसायनों एवं उसके प्रभाव को दर्शाया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं का निर्णय महाविद्यालय के अंग्रेजी के सहा. प्राध्यापक कमलेश्वर प्रसाद निषाद, राजनीतिक विज्ञान के सहा. प्राध्यापक तीरथ राम कपूर, तथा भौतिकी के सहा. प्राध्यापक रितेश गोलछा के द्वारा किया गया। पौष्टिक आहार की थाली के प्रदर्शन में साक्षी प्रथम, चिंकू द्वितीय, एवं देवव्रत तृतीय स्थान पर रहे। चार्ट प्रतियोगिता में विभा प्रथम, देवव्रत द्वितीय, एवं इंदु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य श्री देवदास बंजारे ने विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जागरूक किया और प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण देवश्री कुर्रे, देवेंद्र कुमार, मोहन सिंह, भूलेश्वरी साहू, हर्ष कांकरिया, दविंदर कौर, ममता देवांगन एवं भावना मनहरे उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये संस्था प्रमुख डॉ. सविता मिश्रा ने सभी प्राध्यापकगणों एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनायें दी। कार्यक्रम में संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहें। उपर्युक्त कार्यक्रम से विद्यार्थियों में स्वास्थ्यप्रद भोजन के प्रति रुचि एवं रसायनों के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई और साथ ही विद्यार्थियों की रचनात्मकता और प्रस्तुति कौशल को बढ़ावा मिला।

---

# फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह मनाया गया

अंकुर पहाड़िया
फिंगेश्वर

**गरियाबंद/फिंगेश्वर (गंगा प्रकाश)।** राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह (02-08 अक्टूबर) के अवसर पर फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय में संस्था प्रमुख डॉ. सविता मिश्रा के निर्देशन तथा प्रभारी प्राचार्य डॉ. देवादास बंजारे के सानिध्य में प्राणीशास्त्र विभाग के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ विज्ञान संकाय के संकायप्रभारी श्री रितेश गोलछा के द्वारा उद्घाटन भाषण से किया गया जिसमे उन्होंने बताया कि वन्यजीव हमारे पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक एवं पारिस्थितिक तंत्र का महत्वपूर्ण अंग हैं। प्राणीशास्त्र विभाग की अतिथि सहायक प्राध्यापक सुश्री उर्वशी चंद्राकर ने इस कार्यक्रम का संचालन किया साथ ही छात्र छात्रों कों बताया की वन्यजीव-यानी हमारे जंगलों में रहने वाले जीव-जंतु, पक्षी, कीट–पतंगे और अन्य प्राणी कृ प्रकृति के संतुलन का अभिन्न हिस्सा हैं। यदि ये जीव समाप्त हो जाएँ, तो प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा, और अंततः मानव जीवन भी संकट में पड़ जाएगा।

और हमें इनके संरक्षण के प्रति सजग रहना चाहिए। सप्ताह के दौरान छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी, क्विज प्रतियोगिता मे उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता सीबीटी मोड में लिया जिसमे लगभग सभी कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमे हमारे छत्तीसगढ़ के राजकीय पशु एवं पक्षी, साथ ही अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में समान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे गए थे। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं का निर्णय महाविद्यालय के अंग्रेजी के सहायक प्राध्यापक कमलेश्वर प्रसाद निषाद, राजनीतिक विज्ञान के प्राध्यापक तीरथ राम कपूर, डॉ मोहन सिंह, सुश्री दविंदर कौर के द्वारा किया गया। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी में साक्षी प्रथम, कल्याण द्वितीय, एवं ओमकुमारी तृतीय स्थान पर रहे। निबंध प्रतियोगिता में कल्याण प्रथम, पूजा द्वितीय, एवं ओमकुमारी तृतीय स्थान पर रहे, चित्रकला में सीता साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण डॉ अलका कौशिक, देवेंद्र कुमार पटेल सतप्रीत सिंह गुरुदत्त, देवश्री कुर्रे, भूलेश्वरी साहू, ममता देवांगन एवं भावना मनहरे उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये संस्था प्रमुख डॉ. सविता मिश्रा ने सभी प्राध्यापकगणों एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनायें दी।

---

# वार्षिक अभिमुखीकरण सह संवेदीकरण प्रशिक्षण संपन्न

**फिंगेश्वर।** महाविद्यालय फिंगेश्वर जिला गरियाबंद छत्तीसगढ़ के बैनर तले प्राचार्य डॉ. सविता मिश्रा के प्रेरणा तथा कार्यवाहक प्राचार्य सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे के निर्देशन में रेड रिबन क्लब के वार्षिक अभिमुखीकरण सह संवेदीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम तीन सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में एचआईवी एड्स पर विशेष परिचर्चा तथा टीचएड्स के माध्यम वीडियो दिखाया गया। द्वितीय सत्र में नशीले पदार्थो पर विशेष परिचर्चा तथा टीचएड्स के माध्यम वीडियो दिखाया गया। अंतिम सत्र में उपरोक्त दोनों सत्रों से छात्र-छात्राओं के सवालो एवं जिज्ञासाओं को विषय-विशेषज्ञ द्वारा को दूर किया गया। रेड रिबन क्लब के संयोजक एवं मुख्य प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे ने रेड रिबन क्लब के उद्देश्यों को छात्र-छात्राओं के मध्य विस्तार से रखा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित डॉ. अंकिता अग्रवाल, चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, फिंगेश्वर ने अपने वक्तव्य में कहा कि एचआईवी के प्रति हमारी अज्ञानता जानलेवा साबित हो सकती है। कार्यक्रम को सफल बनाने दलनायिका सोहद्रा सिन्हा एवं विनिशा साहू, दीवा संगठक फनेश्वरी साहू एवं कल्याण साहू, प्रेस विज्ञप्ति प्रभारी हेमशरण नेताम एवं कृति सिन्हा, सांस्कृतिक प्रभारी लोकेश्वरी साहू सहित आर्यन निर्मलकर, भूमिका, उर्वशी, केशरी, भूमिका, कल्याणी, ओमप्रकाश, कामेश्वरी, शीतल, सीमा, यशोधरा, मोनिका, णमिता हिमानी, मधु, लिसा, साधना, खिलेश्वरी, ललिता, पोषमणि, योगेश्वरी, गोमती, रत्ना, आरती, तुलसी, छाया, मोनिका, नेहा, जितेश, मुकेश्वरी, टाकेश्वर, पूर्णिमा इत्यादि स्वयंसेवको का विशेष योगदान रहा।

---

# एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन

**फिंगेश्वर।** राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ एवं छात्रवृत्ति प्रभाग, फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय-फिंगेश्वर के संयुक्त तत्वाधान में प्रभारी प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे के नेतृत्व में तीन सत्रों में अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप थीम पर एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रभारी प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे ने अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन द्वारा लागु अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप पर पीपीटी के माध्यम से विस्तार से अपनी बात रखी। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता रितेश गोलछा, संयोजक स्कॉलरशिप ने अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप 2025-26 के लिए पात्रता पर चर्चा की। तृतीय सत्र के मुख्य वक्ता यश कांकरिया, सह-संयोजक स्कॉलरशिप ने ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेज पर चर्चाकी। इस कार्यशाला में महाविद्यालय 250 से अधिक छात्राएं उपस्थित थे। उक्त जानकारी विज्ञप्ति में प्रभारी हेमशरण नेताम ने दी।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Baloda Bazar - 20 Sep 2025 - 20bald3
epaper.navabharat.news

## हिन्दी दिवस का किया गया आयोजन

अंकुर पहाड़िया,फिंगेश्वर

**फिंगेश्वर।** महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में संस्था प्रमुख डॉ देवादास बंजारे के निर्देशन एवं हिन्दी विभाग के तत्वाधान में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के सभी स्टॉफ सदस्यों और छात्र-छात्राओं के द्वारा सेमीनार हॉल में आयोजित हिन्दी दिवस उत्सव में मां शारदे की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर सरस्वती मां की स्तुति तथा आरती गायन किया गया। महाविद्यालय के संस्था प्रमुख ने सभी स्टॉफ सदस्यों और छात्र-छात्राओं को हिन्दी दिवस के शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिन्दी दिवस का यह पावन दिवस हर साल 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है जो हिन्दी भाषा के महत्व को दर्शता है। यह दिन हमें अपनी जडों से जुडने का अवसर देता है और देश एकजुट रखने मे हिन्दी की भूमिका को उजागर करता हैं हिन्दी भारत की पहचान और सम्मान है। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अ. सहा. प्रा. कु. देवश्री कुर्रे ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ष्हिन्दी हमारी भाषा ही नही बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता और पहचान का प्रतीक है यह वह धारा है जो पूरे देश को जोडने का काम करती है यह दुनिया की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापकगण रितेश गोलछा, कमलेश्वर प्रसाद निषाद, तीरथ राम कपूर, डॉ. अल्का कौशिक, डॉ भुलेश्वरी साहू, कु उर्वशी चन्दाकर, ममता देवांगन, देवेन्द्र पटेल, सतप्रित सिंग गुरूदत्ता, एवं महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Ratan Bhoomi - 18 Sep 2025 - Page 2

## विश्व ओजोन दिवस पर फणीकेश्वर महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

**फिंगेश्वर।** 16 सितंबर को फणीकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को ओजोन परत के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु कई प्रतियोगिताएं और शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गईं। प्राचार्य डॉ. देवदास बंजारे ने ओजोन परत को पृथ्वी की सुरक्षा कवच बताते हुए इसके संरक्षण का महत्व बताया।

विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अलका कौशिक ने फ्रॉम साइंस टू ग्लोबल एक्शन थीम पर व्याख्यान देते हुए ओजोन परत के क्षरण और बचाव के उपाय समझाए। विद्यार्थियों ने ओजोन होल पर आधारित शैक्षणिक वीडियो भी ध्यानपूर्वक देखा। इसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु रंगोली, निबंध लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लगभग 40 विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी सुंदर आकृतियां बनाई, निबंध प्रतियोगिता में ओजोन परत के संरक्षण पर विचार व्यक्त किए, और पोस्टर मेकिंग में पर्यावरण संदेश प्रस्तुत किए। इन प्रतियोगिताओं का संचालन विज्ञान विभाग के प्राध्यापकों की टीम ने किया और तीन विशेषज्ञों ने विजेताओं का चयन किया। पोस्टर मेकिंग में नेमन साहू प्रथम, राधिका साहू द्वितीय और वंदना साहू तृतीय स्थान पर रहीं। निबंध प्रतियोगिता में भूमिका साहू प्रथम, इंद्रजीत द्वितीय और वंदना साहू तृतीय स्थान पर रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में काजल एवं धन्नी प्रथम, जितेश कुमार द्वितीय और गायत्री सिन्हा तृतीय स्थान पर रहीं।

## स्वतंत्रता दिवस पर फणीकेश्वरनाथ महाविद्यालय एवं जुपिटर पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में ध्वजारोहण व पौधा रोपण

रुद्रांश दर्पण गरियाबंद नीरज शर्मा ब्यूरो चीफ गरियाबंद

**गरियाबंद/फिंगेश्वर।** स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर फणीकेश्वरनाथ महाविद्यालय एवं जुपिटर पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में धूमधाम से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देकर देश के वीर शहीदों को नमन किया गया। फणिकेश्वरनाथ महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष राजू साहू ने कहा कि यह आजादी का पर्व हमरे अमर बलिदानियों के वीरता एवं कुर्बानियों को याद कर उनको नमन करने का पर्व हैं , महाविद्यालय के विकास ,उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा नवाचार के लिए सभी के साथ समन्वय बना कर कार्य करने की बात कही परमानंद यादव जी ने पर्यावरण के प्रति छात्रों को प्रेरित किया , प्राचार्य बंजारे जी ने बधाई संदेश दिया इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित धरोहर संजोने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री बंजारे जी ,एवं प्राध्यापकगण, छात्र-छात्राएँ, विद्यालय के स्टाफ एवं स्थानीय नागरिक श्री परमानन्द यादव जी ,मोनू गुप्ता ,जितेंद्र साहू ,मुकेश साहू , सूर्यांश कश्यप,हुलास साहू ,ओंकार साहू उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कार्यकम का संचालन प्राध्यापक कमलेश्वर निषाद जी ने किया आभार प्राध्यापक रितेश गोलछा ने किया।

---